संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 79
पृष्ठ 8
शनिवार
07 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जानिए २०२५ में कब ....

विचार- संभल का सच छिपाती....

खेल- चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड .....

सनातन धर्म की रक्षा के लिए सदैव आगे रहे सिख पंथ के अनुयायी : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख पंथ के अनुयायियों ने अपनी साधना और सामर्थ्य से अपने कौम के साथ–साथ पूरे देश को और पूरे सनातन धर्म को न केवल सुरक्षा प्रदान की बल्कि एक लंबे समय के लिए उन्हें अभय भी प्रदान किया। यहियागंज गुरुद्वारा में गुरु परंपरा के नवम गुरु श्री तेग बहादुर जी महाराज के बलिदान दिवस पर सीएम योगी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सीएम योगी ने उनके बलिदान और स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने उस समय कश्मीर को बचाया था जब वहां के सनातन धर्मावलंबियों को विदेशी आक्रांताओं द्वारा धर्म परिवर्तन करने का आदेश मिला था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने कश्मीरी पंडितों को एक नया जीवन दिया था। धर्म परिवर्तन के आदेश के बाद सुरक्षा के लिए भटक रहे कश्मीरी पंडितों को न सिर्फ नया जीवन दिया था, बल्कि उनसे कहा था कि अत्याचारियों से कह दो कि पहले हमारे गुरु को इस्लाम स्वीकार कराओ। गुरु तेग बहादुर ने हमेशा देश और धर्म को प्राथमिकता दी और किसी विदेशी आक्रांता के सामने सिर नहीं झुकाया। श्री योगी ने कहा कि वह कैसा कालखंड रहा होगा जब एक विदेशी आक्रांता बाबर देश के अंदर अत्याचार कर रहा था, उसके खिलाफ गुरु नानक देव जी ने आवाज उठाई थी। सीएम ने कहा कि इतिहास के उन पन्नों को कौन नहीं जानता है जब भक्ति की इस परंपरा से ऊपर उठकर उन्होंने समय के साथ तात्कालिक समाज को एक नई दिशा देने का काम किया था। वहां से चलकर हम शहादत और बलिदान की एक सुदृढ़ नियम को आगे बढ़ाते हुए गुरु गोविंद सिंह महाराज तक पहुंचे। सीएम योगी ने कहा वह शक्ति का एक दिव्य पुंज बन करके न केवल सनातन धर्म की रक्षा के लिए बल्कि भारत की रक्षा के लिए अपने आपको बलिदान करने से पीछे नहीं हटे। योगी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर अपनी शहादत के पहले सनातन धर्म की रक्षा के लिए, देश और धर्म की रक्षा करने के लिए गुरु गोविंद सिंह जी महाराज जैसा सशक्त शक्तिपुंज भी देश को दिया। उनके चार–चार साहिबजादे बलिदान हो गए। उन्होंने कहा ''हम प्रधानमंत्री मोदी के आभारी हैं, जिन्होंने 26 दिसंबर की तिथि को वीर बाल दिवस के रूप में आयोजित करने की घोषणा की। यह मेरा सौभाग्य है कि वीर बाल दिवस सन् 2020 से लगातार मुख्यमंत्री आवास में पूरी भव्यता के साथ आयोजित हो रहा है।

चित्रकूट में ट्रक-बस में भिड़ंत,छह मरे

चित्रकूट, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में चित्रकूट जिले के रापुरा क्षेत्र में शुक्रवार भोर बोलेरो कार और ट्रक की आमने–सामने हुई टक्कर में छह लोगों की मृत्यु हो गई जबकि पांच अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताते हुये शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आज सुबह करीब 5:30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग 35 पर एक तेज रफ्तार बोलेरो की विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गयी। इस हादसे में बोलेरो सवार नन्हे (65),हरिराम (45),मोहन (45),रामू (45),मांगना (65) और रामस्वरूप यादव की मौके पर ही मौत हो गयी। उन्होने बताया कि घटना में घायल जमुना (42), फुला (40), राज अहिरवार (18), आकाश (15) और एक अज्ञात को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा व पुलिस अधीक्षक अरुण सिंह ने जिला अस्पताल में घायलों को हाल जाना।

बॉर्डर से वापस लौटा किसानों का जत्था

अब 'जत्था' आठ दिसंबर को दोपहर 12 बजे करेगा कूच

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब–हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर बैठे किसानों ने आज दिल्ली की तरफ कूच करना था। दोपहर एक बजे 101 मरजीवड़ों का जत्था दिल्ली के लिए आगे बढ़ा। किसानों ने बैरिकेडिंग और कंटीले तार हटा दिए लेकिन हरियाणा पुलिस ने बॉर्डर पार नहीं करने दिया। काफी देर तक किसान बैरिकेडिंग के सामने खड़े रहे और कहते रहे कि हम पैदल जाना चाहते हैं। शंभू बॉर्डर पर किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने बताया कि अब 101 किसानों का रुजत्थाश 8 दिसंबर को दोपहर 12 बजे दिल्ली की ओर कूच करेगा। कल का दिन केंद्र सरकार से बातचीत के लिए रखा गया है। उन्होंने कहा है कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं, हम कल तक इंतजार करेंगे। हम सरकार से टकराव नहीं चाहते हैं। वहीं, पुलिस का कहना था कि किसान दिल्ली पुलिस की अनुमति लेकर आएं तभी उन्हें आगे बढ़ने दिया जाएगा। वहीं किसान आंदोलन को देखते हुए अंबाला में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई है। अंबाला के डंगदेहरी, लोहगढ़, मानकपुर, डडियाना, बारी घेल, लहारसा, कालू माजरा, देवी नगर, सद्दोपुर, सुल्तानपुर और काकरू में 9 दिसंबर तक मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद रहेगी। इसी दौरान एक किसान बैरिकेडिंग पर बने शेड पर चढ़ गया। पुलिस ने उसे चेतावनी देकर नीचे उतारा। इससे पहले कुछ किसान लोहे के जंगले पर चढ़े तो उन पर स्प्रे किया गया जिससे आंखों में जलन हो रही है। किसानों के अनुसार, स्प्रे मिर्ची वाला था। किसानों ने हाथ में अपने संगठन के झंडे पकड़े हुए हैं। इसके अलावा कई किसानों ने तिरंगा भी पकड़ा हुआ है। सभी ने मुंह पर कपड़ा बांधा हुआ है। लगभग एक घंटे बाद पुलिस की तरफ से किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़ने शुरू किए गए। बैरिकेड पर लगी जाली हटाने पर पुलिस ने कार्रवाई की। किसानों को हरियाणा की तरफ से वापस जाने की अपील की जा रही थी। वहीं किसानों का कहना था कि हमें अपनी राजधानी में जाने के लिए अनुमति की जरूरत नहीं है। हरियाणा की तरफ से करीब 26 से ज्यादा आंसू गैस के गोले छोड़े गए। हरियाणा पुलिस की तरफ से प्लास्टिक की गोलियां भी चलाई गई। छह किसान जख्मी हुए हैं।

बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए : केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शाहदरा, जनकपुरी, लक्ष्मी नगर और अन्य सीट पर हजारों

मतदाताओं के नाम हटाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग में आवेदन दाखिल किए हैं। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने शाहदरा क्षेत्र में 11,018 मतदाताओं के नाम हटाने के लिए आवेदन किया है। जब हमने 500 नामों संबंधी आवेदन की समीक्षा की तो पता चला कि 75 प्रतिशत लोग अब भी वहां रह रहे हैं लेकिन उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में शाहदरा विधानसभा सीट पर 'आप' ने करीब 5,000 मतों से जीत हासिल की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अब उस निर्वाचन क्षेत्र में करीब 11,000 मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं और इनमें से अधिकतर मतदाता 'आप' समर्थक हैं। केजरीवाल ने निर्वाचन आयोग से शाम तक सभी आवेदनों को अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने का आग्रह किया ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

दिल्ली में एनओ2 का स्तर बढ़ने से अस्पताल जाने के मामले बढ़े : नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा दिल्ली में पांच स्थानों पर किए गए एक अध्ययन में पता चला है कि नाइट्रोजन डाईऑक्साइड (एनओ2) जैसे यौगिकों के स्तर

में वृद्धि के साथ लोगों को सांस लेने में घरघराहट पैदा होने तथा आपात स्थिति में अस्पताल जाने के मामलों में वृद्धि देखी गई है। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। मंत्री पे कहा कि सरकार ने वायु प्रदूषण पर एक स्वास्थ्य परामर्श जारी किया है और वायु प्रदूषण के मुद्दों के समाधान के लिए कई कदम भी उठाए हैं। नड्डा ने कहा कि भारत सरकार ने 1,561 'प्रेशर स्विंग एड्शॉर्पशन' (पीएसए) ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि देश में पीएम केयर्स फंड के तहत 1,225 पीएसए संयंत्रलगाए गए हैं। उनका कहना था कि इसके अतिरिक्त, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, कोयला, रेल मंत्रालयों के तहत आने वाले सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा अब तक 336 पीएसए संयंत्र स्थापित किए गए हैं।

भाजपा वाले कुछ भी कहें, राहुल गांधी के लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ''देशद्रोही'' कहे जाने पर शुक्रवार को कहा कि सत्तारूढ़ दल के लोग कुछ भी कहें, उन्हें फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उनके भाई के लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग देश की आजादी के लिए 13 साल जेल में काटने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली इंदिरा गांधी को 'देशद्रोही' कहे सकते हैं, उनके लिए राहुल गांधी के लिए इस शब्द का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''जो लोग आजादी की लड़ाई में 13 साल जेल में रहने वाले जवाहरलाल नेहरू जी को देशद्रोही कह सकते हैं, जो पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली और शहीद हुईं इंदिरा जी को देशद्रोही कह सकते हैं, जो राजीव गांधी जी को देशद्रोही कह सकते हैं, वो अगर राहुल जी के लिए ऐसा कह रहे हैं, तो कोई नई बात नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे मेरे भाई पर बहुत गर्व है, उनके लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने देश की एकता के लिए आठ हजार किलोमीटर की यात्रा की जिसमें से चार हजार किलोमीटर की पदयात्रा थी।''

राज्यसभा में मेरी सीट के नीचे नोटों की गड्डी होने की बात सुनकर हूं हैरान : सिंघवी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने सफाई देते हुए कहा है कि उनकी सीट के नीचे नोटों की गड्डी मिलने की बात सुनकर वह हैरान है और ऐसी विपरीत स्थिति से निपटने के लिए सदस्य की सीट पर कांच का बाक्स लगाना चाहिए। श्री सिंघवी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों के

सवालों पर कहा "हर सीट पर कांच का बाक्स बना देना चाहिए जो पूरी तरह से सीट को घेर ले और मेम्बर उसे लॉक कर जाए और उसकी चाबी साथ लेकर जाए ताकि कोई व्यक्ति वहां आपत्तिजनक चीज नहीं रख सके।" उन्होंने कहा "मैं खुद इस खबर से हैरान हूं। यह गंभीर और हास्यास्पद दोनों ही तरह का मामला है। गुरुवार को मैं सिर्फ तीन मिनट के लिए सदन में रहा। दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर सदन में दाखिल हुआ और एक बजे भोजनावकश हो गया। सिर्फ तीन मिनट सदन में रहा और फिर डेढ़ बजे तक सांसद अयोध्या प्रसाद रेड्डी के साथ संगम भोजनालय में भोजन किया और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट लौट आया।" गौरतलब है कि राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन में कहा "मैं यह सूचित करना चाहता हूं कि कल सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद, जब नियमित जांच की गई, तो सुरक्षा अधिकारियों ने सीट संख्या 222 के नीचे नोटों की एक गड्डी मिली। यह मामला मेरे ध्यान में लाया गया और मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि जांच कानूनी रूप से हो। नियमों के अनुरूप कार्रवाई हो।"

नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में तीन सुरक्षाकर्मी घायल

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में तीन सुरक्षाकर्मी मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी बृहस्पतिवार रात को हुई जब सुरक्षाबल के जवान पामेड़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत झिड़पल्ली गांव के करीब एक शिविर के बाहरी घेरे में तैनात थे। शिविर का निर्माण हाल ही में किया गया है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात लगभग 8.30 बजे नक्सलियों ने शिविर पर गोलीबारी शुरू कर दी, जो डेढ़ घंटे तक जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने इस दौरान बैरल ग्रेनेड लांचर से गोले दागे, जिसका सुरक्षाबल के जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने बताया, मुठभेड़ में तीन जवानों को मामूली चोटें आई जिसके बाद उन्हें शिविर में प्राथमिक उपचार दिया गया।

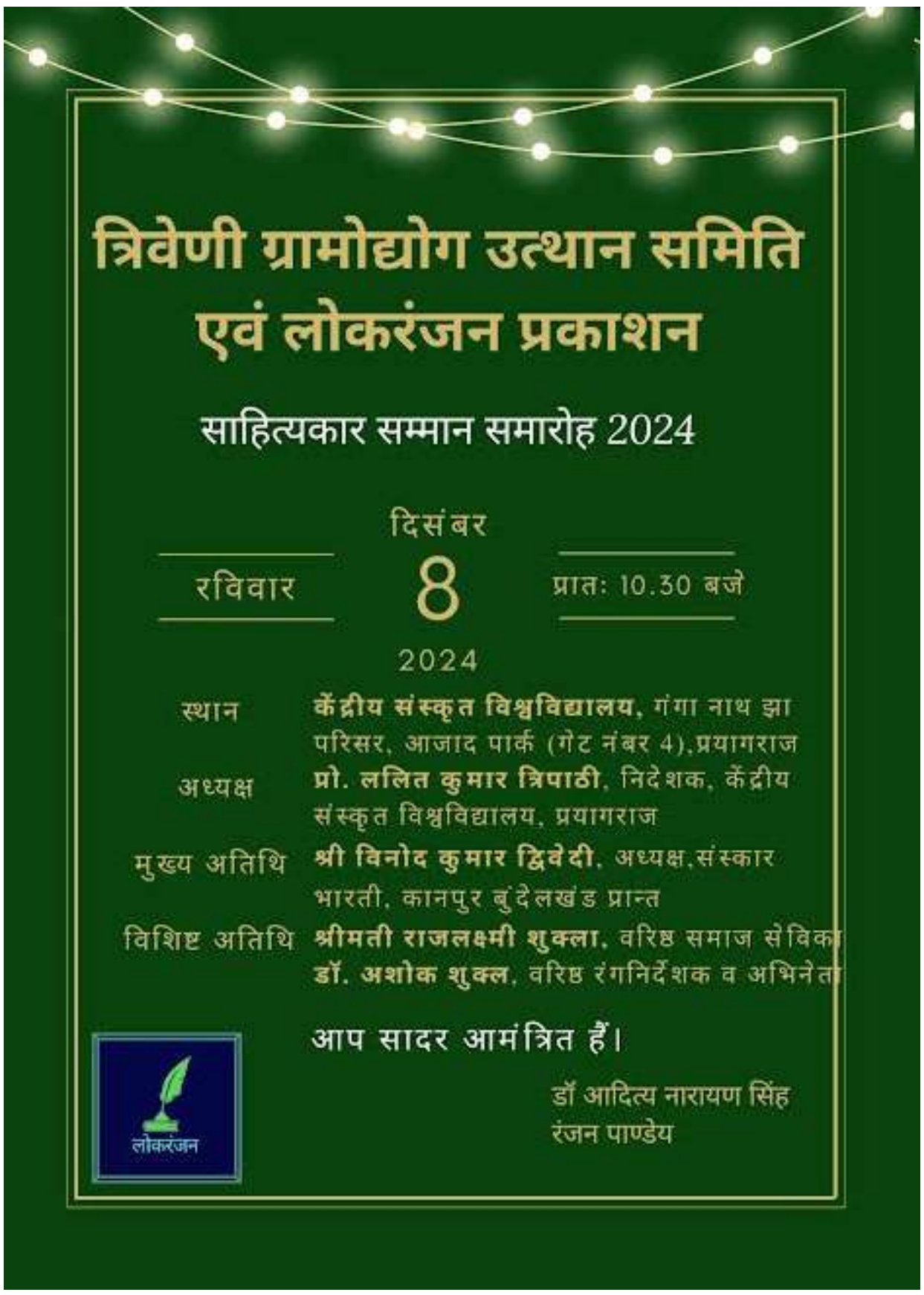

डेढ़ लाख पौधों से हरा-भरा होगा महाकुंभनगर, श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगे खूबसूरत पौधे

प्रयागराज। महाकुंभ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को इस बार स्पेशल हाईडेंसिटी ऑक्सीजन फॉरेस्ट का आनंद मिलने जा रहा है। डेढ़ लाख पौधों से महाकुंभनगर को इस तरह संवारा जा रहा है, जिससे देश विदेश से यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को पर्याप्त प्राणवायु तो मिले ही, साथ ही प्रकृति की खूबसूरती देखकर इस बार का महाकुंभ यादगार बन जाए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभनगर के प्रमुख चौराहों के साथ साथ यहां आने वाले प्रमुख राजमार्गों को भी प्राकृतिक रूप से सजाने संवारने का काम चल रहा है। डीएफओ प्रयागराज अरविंद कुमार यादव बताते हैं कि महाकुंभ को दिव्य, नव्य और भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। इसके तहत कुल 149,620 पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। जिसमें 137,964 पौधे अभी तक लगाए भी जा चुके हैं। 10 दिसंबर तक महाकुंभ में पौधारोपण का 100 प्रतिशत कार्य पूरा हो जाएगा। सबसे खास बात तो यह है कि महाकुंभ में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं का स्वागत 50 हजार खूबसूरत पौधे करेंगे। जिनकी सुंदरता देखकर देशी विदेशी पर्यटक खासे उत्साहित नजर आएंगे। हरित महाकुंभ को तैयार करने में वन विभाग की टीम युद्धस्तर की तैयारी कर रही है। पूरे महाकुंभनगर में हर सड़क हर चौराहे पर खूबसूरत पौधे लगाने का काम चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले ही महाकुंभनगर पूरी तरह से हरा भरा नजर आएगा। प्रयागराज में वन विभाग के आईटी हेड आलोक कुमार पांडेय ने बताया कि महाकुंभनगर के अंदर तथा शहर को जोड़ने वाले प्रवेश और निकास मार्गों को शोभाकर पौधों से सजाया जा रहा है। यहां थीमैटिक रोपण कर 50 हजार सीमेंट गार्ड, 10 हजार गोल आयरन ट्री गार्ड, 2500 चौकोर आयरन गार्ड सहित तमाम कार्य किए जा रहे हैं। सरस्वती हाईटेक सिटी में एक हाईडेंसिटी ऑक्सीजन फॉरेस्ट विकसित किया जा रहा है। यह ऑक्सीजन बैंक और नगर वन के रूप में कार्य करेगा। सरस्वती हाइटेक सिटी के अंतर्गत 20 हेक्टेयर में 87120 पौधे लगाए जा रहे हैं, जो देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। 18 मार्गों पर 190 किलोमीटर के दायरे में सजाए जा रहे पौधे योगी सरकार के निर्देश पर महाकुंभनगर में 18 मार्गों पर 190 किलोमीटर के दायरे में करीब 50 हजार पौधे लगाए जाने का काम चल रहा है। महाकुंभनगर के शहरी क्षेत्र में 2500 पौधे लगाए जा चुके हैं। 50 हजार पौधे प्रमुख रूप से प्रयागराज–अयोध्या मार्ग, प्रयागराज–वाराणसी मार्ग के साथ ही लखनऊ, मिर्जापुर, रीवा और बांदा समेत 18 मार्गों पर लगाने का काम चल रहा है। गंगा तटीय क्षेत्र में लगाए जा रहे 10 हजार पौधे गंगा तटीय क्षेत्र में 10 हजार पौधे लगाए जा रहे हैं। विशेष तौर पर झूंसी, अरैल और फाफामऊ के किनारे, पक्का घाट पर सजावट का काम चल रहा है। महाकुंभनगर के शहरी क्षेत्र, पक्का घाट से लेकर हाईटेक सिटी तक करछना रेंज में विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के पौधे लगाए जा रहे हैं, जिसमें गोल्ड मोहर, कचनार और अमलतास के पौधे करीब ढाई हजार की संख्या में लगाए गए हैं। गंगा नदी के किनारे पूरे तटीय क्षेत्र को हरा भरा किया जा रहा है। हरित महाकुंभ के अंतर्गत महाकुंभनगर में पौधारोपण के तमाम विकास कार्य चल रहे हैं। गंगा नदी के किनारे खासकर बाएं तटीय क्षेत्र में अर्जुन के 3000 पौधे लगाए जा रहे हैं। वहीं, प्रयाग व सोरांव क्षेत्र के साथ संगम गंगा यमुना के दक्षिणी तट पर गोल्ड मोहर और कंजी के पौधे लगाए जा रहे हैं। करछना रेंज में 2000 पौधे लगा रहे हैं। साथ ही गंगा नदी के किनारे तटीय क्षेत्र, झूंसी, ककरा–लीलापुर संपर्क मार्ग फूलपुर में अर्जुन और कचनार के 1700 पौधे लगाए जा रहे हैं। वहीं, फाफामऊ–सहसो–हनुमानगंज मार्ग व प्रयागराज–गोरखपुर मार्ग–फूलपुर मार्ग पर अर्जुन पीपल के 1800 पौधे लगाए जा रहे हैं।

मिलावटी दूध एवं सरसों तेल की हो रही थी बिक्री, 55 दुकानदारों पर 13 लाख का लगा जुर्माना

प्रयागराज। जांच में मिलावटी दूध तथा सरसों तेल की बिक्री की पुष्टि हुई है। इस पर डेयरी संचालक पर 50 हजार तथा सरसों तेल विक्रेता पर 60 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही खराब खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाले कुल 55 दुकानदारों पर 13 लाख 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधी प्रशासन विभाग की ओर से अलग–अलग समय पर खाद्य पदार्थों के संदिग्ध नमूने एकत्र कर जांच के लिए भेजे गए थे। जांच में 55 नमूने अधोमानक पाए गए। इसके बाद एडीएम सिटी ने सुनवाई के बाद इनके खिलाफ अर्थदंड लगाया है।सबसे अधिक 60 हजार रुपये का जुर्माना एलनगंज के तेल के व्यवसायी सुधीर कुमार गुप्ता पर लगाया गया है। वहीं प्रतापगढ़ के दूध विक्रेता महेंद्र मनजीत पटेल पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। इनके अलावा खाद्य पदार्थों की बिक्री पर नैनी के लाला पाल, इमामंगज–हंडिया राकेश कुमार, हिम्मतगंज के मनीष कुमार, मेजा रोड के सुधीर कुमार गुप्ता, पीपलगांव की निर्मला साहू, कर्नलगंज विजय कुमार केसरवानी, फाफामऊ के रंजीत कुमार, सैदपुर के वीरेंद्र कुमार पाल, साहित्य सम्मेलन मार्ग के सुजीत गुप्ता, आंबेडकर नगर के प्रवीण कुमार सिंह, मुट्ठीगंज के संतोष कुमार केसरवानी, नैनी के शाहबाज, मालवीय नगर की नीलम पुरवार, मलावा खुर्द के विमलेश कुमार, घूरपुर के विकास कुमार पटेल, खीरी के कपिल देव, झलवा के अजय यादव, दारागंज के संजय वैश्य, अटरामपुर के सुशील कुमार, हंडिया के शारदा डेयरी शामिल हैं। इसी तरह कर्नलगंज के मोहम्मतद सुल्तान, मुट्ठीगंज के राजेश कुमार मालवीय, फुलवरिया जसरा के आशुतोष कुमार मौर्या, मऊआइमा के राम लखन, कर्नलगुज के दीप्तिमान घोष, नवाबगंज के शंकर लाल, कनिहार के शंकर लाल गुप्ता, पीपलगांव के मोनू, धनुपुर के मुरलीधर, जुगनीडीह–सिकंदरा के राम जनम यादव, झूंसी के विकास शर्मा, मऊआइमा के सुनील कुमार केसरवानी, फाफामऊ के नवीन कुमार पाल, धूमनगंज के संजय जायसवाल, मटियारा रोड के अजीत कुमार गुप्ता, कर्नलगंज के मो.सद्दाम, मो.साजिद, घूरपुर के उदयराज यादव, कोरांव के वासदेव सिंह, चौक के संदीप गुप्ता है। इसके अलावा नार्थ मलाका के सगीर अहमद, हनुमानगंज के कमलेश यादव, सिविल लाइंस के सचिन अग्रवाल, इरादतगंज के आदित्य गुप्ता, दारागंज के सुमित कुमार यादव, बारा के श्यामू यादव, चौक के मेसर्स हैदरी, मुट्ठीगंज के मुन्ना अन्न भंडार, हिंदी साहित्य सम्मेलन की पुनीता, कटरा के उमेश चंद्र चौरसिया, नूरुल्लाह रोड के धर्मेंद्र कुमार केसरवानी तथा नैनी के पंचमलाल केसरवानी पर अर्थदंड लगाया गया है। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सुशील कुमार सिंह ने बताया कि 30 दिन के भीतर अर्थदंड जमा नहीं करने पर आरसी जारी कर वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा सुनिश्चित करे सरकार, हमले नहीं रुके तो नागा संन्यासी करेंगे कूच

प्रयागराज। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं, बौद्धों और सिखों पर हो रहे लगातार हमले और हिंसा के खिलाफ पूरे देश में उबाल है। साधु –संतों की सबसे बड़ी संस्था आखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ बृहस्पतिवार को केंद्र की मोदी सरकार को चेताया। साधु –संतों ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले बंद न हुए तो नागा संन्यासी वहां कूच करने के लिए बाध्य होंगे। साधु संतों ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले बंद हों और जो लोग बेवजह जेलों में डाले गए हैं, उनकी जल्द रिहाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही इस्कॉन के प्रमुख चिन्मय प्रभु पर भी दर्ज मुकदमे वापस लेकर उन्हें भी रिहा किया जाए। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि अखाड़ों की स्थापना सनातन धर्म की रक्षा के लिए हुई है और अगर बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हिंसा नहीं रुकी तो हजारों नागा संन्यासी महाकुंभ के बाद बांग्लादेश कूच करेंगे। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी के मुताबिक बांग्लादेश के मुद्दे पर अखाड़ा परिषद ने आठ और नौ दिसंबर को निरंजनी अखाड़े में बैठक बुलाई है। इस बैठक में सभी अखाड़ों के साधु संत मिलकर बांग्लादेश की समस्या पर विचार विमर्श करेंगे। जिसके बाद एक प्रस्ताव तैयार करेंगे। यह प्रस्ताव देश के गृह मंत्री अमित शाह को भेजा जाएगा। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की बहन बेटियों पर जुल्म हो रहे है। उनके साथ बलात्कार किया जा रहा है। वहां पर सनातनियों और गैर सनातनियों के अलग–अलग नियम बना दिए गए हैं। जिससे सनातनियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। महंत रवींद्र पुरी ने कहा है कि प्रस्ताव के जरिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से पूरे मामले में दखल दिए जाने की मांग की जाएगी।

कपड़े उतरवाकर चेकिंग करने पर भड़के एलएलबी के छात्र, डिग्री कॉलेज पर किया जमकर बवाल, मारपीट

प्रयागराज। झूंसी थाना क्षेत्र के रामापुर पटेल नगर इलाके में स्थित कामता सिंह पीजी कॉलेज में छात्रों ने जमकर बवाल किया। एलएलबी के छात्रों का आरोप है कि परीक्षा कक्ष में जाने से पहले परीक्षार्थियों के कपड़े उतरवाकर चेकिंग की गई। इसका तमाम छात्रों ने विरोध किया तो कॉलेज के लोगों ने छात्रों के साथ अभद्रता की। इसको लेकर छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज प्रबंधक के बेटे को जमकर पीट दिया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहंच गई है। कामता सिंह पीजी कॉलेज में शुक्रवार को एलएलबी की परीक्षा आयोजित की गई थी। बड़ी संख्या में छात्र परीक्षा देने के लिए पहुंचे थे। छात्रों का आरोप है कि परीक्षा कक्ष में जाने से पहले छात्रों की तलाशी ली जा रही थी। विवाद उस समय बढ़ गया जब तलाशी ले रहे कॉलेज स्टाफ के शिक्षक और अन्य कर्मचारियों ने परीक्षार्थियों के कपड़े उतरवाने शुरू कर दिए। पूरे कपड़े उतरवाकर चेकिंग करने पर छात्रों ने जब आपत्ति दर्ज की तो उनके साथ अभद्रता की गई। इसके बाद छात्रों का गुस्सा फूट गया और वह हंगामा करने लगे। इससे अफरातफरी मच गई। उधर, कुछ छात्रों का कहना है कि परीक्षा कक्ष में जाने से पहले छात्रों के सुविधा शुल्क के नाम पर वसूली की जा रही थी। छात्रों ने इसके विरोध में हंगामा किया। इस दौरान मारपीट की भी शिकायत मिली। छात्रों ने कॉलेज के प्रबंधक हरिश्चंद्र के बेटे नीरज पटेल की जमकर पिटाई कर दी। आरोप है कि नीरज ने ही पहले छात्र रोहित यादव की पिटाई की थी। हंगामे की सूचना पर झूंसी थानाध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह मौके पर पहुंच गए। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। अवैध वसूली और कपड़े उतराकर चेकिंग दोनों बिंदुओं पर पुलिस छानबीन कर रही है। कई छात्रों का बयान दर्ज किया गया है। उधर, कॉलेज प्रशासन ने छात्रों के आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्तिक्यों नहीं दी, हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी, शिक्षा निदेशक से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि शिक्षा निदेशक माध्यमिक उत्तर प्रदेश बताएं कि चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति क्यों नहीं दी गई है। न्यायालय ने कहा कि 16 दिसंबर तक निदेशक व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर जवाब देंगे अन्यथा उन्हें व्यक्तिगत रूप से बुलाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की पीठ ने प्रदीप कुमार सिंह एवं 15 अन्य और गौरव कुमार की याचिका पर दिया है। याची प्रदीप व गौरव ने बताया कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज की ओर से टीजीटी 2013 भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। विज्ञपित पदों की संख्या घटाकर अंतिम परिणाम घोषित किया गया। इसके खिलाफ उम्मीदवारों ने याचिका दाखिल की। न्यायालय के आदेश पर चयन बोर्ड ने 2019 में 1167 चयनित उम्मीदवारों का अवशेष पैनल जारी किया। इसमें लगभग 860 उम्मीदवारों को नियुक्ति दे दी गई। लेकिन लगभग 307 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र नहीं दिया गया। इसके खिलाफ ही उम्मीदवारों ने याचिका दाखिल की है। गौरव कुमार की याचिका में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के अधिवक्ता तनुज साही ने न्यायालय को बताया कि चयनित उम्मीदवारों की नियुक्त क्यों नहीं की गई इसका जवाब देने के लिए शिक्षा निदेशक सक्षम प्राधिकारी हैं। रिट–ए 839/2023 में एक बहुत विस्तृत आदेश पारित किया गया था, लेकिन शिक्षा निदेशक ने कोई जवाब नहीं दिया। न्यायालय ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि याचियों का चयन उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज ने वर्ष 2019 में सहायक अध्यापक, एलटी ग्रेड के पद पर किया, लेकिन नियुक्ति दी। न्यायालय ने नोटिस जारी कर शिक्षा निदेशक से जवाब मांगा है। न्यायालय ने रजिस्ट्रार (अनुपालन) को आदेश दिया कि 48 घंटे के भीतर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, लखनऊ के माध्यम से शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), यूपी, लखनऊ को सूचित किया जाए। अलीगढ़ निवासी पंकज कुमार व अन्य चार ने इसी मामले में याचिका दाखिल की है, जो रिट ए 839ध्2023 से कनेक्ट है। हम लोग अवशेष पैनल में चयनित उम्मीदवार हैं। पंकज का कहना है कि नियुक्ति के लिए तीन दिसंबर को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज को ज्ञापन दिया था। लेकिन हमें नियुक्ति पत्र नहीं दिया जा रहा है। ज्ञापन के बाद भी बोर्ड ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

प्रधानमंत्री के लिए संगम पर तैयार होने लगी जेटी, संगम नोज पर गंगा पूजन कर करेंगे महाकुंभ की शुरुआत

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गंगा पूजन कर महाकुंभ की शुरुआत करेंगे। इसके लिए जेटी तैयार होने लगी है। संगम नोज पर समतलीकरण के साथ नदी में आधार तैयार करने का काम भी बृहस्पतिवार को शुरू हो गया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर फ्लोटिंग जेटी का भी इंतजाम किया गया है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर जेटी एवं पंडाल समेत संगम का बड़ा इलाका तीन दिन पहले ही एसपीजी की सुरक्षा घेरे में आ जाएगा। निर्धारित दूरी तक आवागमन भी प्रतिबंधित रहेगा। इससे पहले ही जेटी एवं पंडाल तैयार किया जाना है। प्रधानमंत्री 13 दिसंबर को प्रयागराज आ रहे हैं। विशेष यान से बमरौली एयरपोर्ट पर आएंगे। प्रधानमंत्री वहां से अरैल हेलिकॉप्टर से आएंगे। इसके बाद निषादराज क्रूज से वह संगम भ्रमण करेंगे। इसी क्रम में प्रधानमंत्री गंगा पूजन कर महाकुंभ–2025 की शुरुआत करेंगे। गंगापूजन के लिए जेटी तैयार की जा रही है। पूजन में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा कई अन्य केंद्रीय एवं राज्य के मंत्री तथा अफसर भी शामिल रहेंगे। इसे ध्यान में रखकर जेटी को आकार दिया जा रहा है। संगम नोज पर गंगा की तरफ समतलीकरण के कार्य को अंतिम रूप दिया गया। जेटी के लिए आधार तैयार करने का काम भी शुरू हो गया। इसी से कुछ दूरी पर प्रधानमंत्री की सभा के लिए पंडाल तैयार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री इस मौके पर साढ़े छह हजार करोड़ रुपये की निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। बताया जा रहा है कि चूंकि पूरा इलाका तीन दिन पहले एसपीजी की सुरक्षा घेरा में आ जाएगा। इसलिए संगम नोज पर जेटी लगाने तथा पंडाल का निर्माण कार्य 10 दिसंबर से पहले तैयार हो जाएगा। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर मेला प्रशासन की ओर से एक दिन पहले पूर्वाभ्यास की भी तैयारी की गई है। पंडाल में दो डायस होंगे। एक डायस प्रधानमंत्री के लिए सुरक्षित होगा। ऐसे में रिहर्सल भी दूसरे डायस से ही होगा। प्रधानमंत्री से अरैल से किला घाट तक निषादराज क्रूज से लाने की तैयारी है। इसके अलावा सड़क मार्ग से भी उनके आने की संभावना है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पूर्वाभ्यास किया जाएगा। उसी के अनुसार तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। हर स्तर पर होगी सुरक्षा, हेलीकॉप्टर से निगरानी शुरू प्रधानमंत्री के लिए जमीन के साथ हवा और जल में भी सुरक्षा चक्र तैयार किया जा रहा है। संगम से अरैल तक गंगा एवं यमुना दोनों ही नदियों में सुरक्षा घेरा रहेगा। सुरक्षा की दृष्टि से शहर नो फ्लाइंग जोन भी रहेगा। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल की बृहस्पतिवार को आसमान से निगरानी भी शुरू हो गई। सेना के तीन हेलीकॉप्टर ने दो बार संगम तथा आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री शृंग्वेरपुर धाम में बने निषादराज पार्क, भगवान राम और निषादराज की गले मिलते प्रतिमा तथा घाट का लोकार्पण करेंगे। वह गंगा रिवर फ्रंट रोड समेत अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। इसके लिए प्रधानमंत्री के शृंग्वेरपुर जाने का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है। हालांकि, अभी तक पीएमओ से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर कुछ आया नहीं है। ऐसे में प्रधानमंत्री के शृंग्वेरपुर जाने को लेकर आशंकाएं भी उठने लगी हैं। यदि प्रधानमंत्री शृंग्वेरपुर नहीं जाते हैं तो वहां की निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास संगम नोज पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान ही करेंगे। हालांकि, प्रशासन की ओर से प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम को देखते हुए शृंग्वेरपुर में भी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री के आगमन से पहले शहर के सभी सरकारी भवनों को सजाया जाएगा। भवन फसाड लाइट से भी रोशन किए जाएंगे। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत के निर्देश पर सभी विभागों में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मंडलायुक्त के निर्देश पर कार्यालयों को त्योहार की तरह सजाने की योजना बनाई गई है। प्रमुख चौराहों एवं सड़कों को तो दुल्हन की तरह से सजाया जाएगा। इसके तहत रंग–बिरंगी लाइटें लगाई जाएंगी। इसकी शुरुआत हो गई है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के तहत शहर तथा घाटों की सफाई पर भी ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री 13 दिसंबर को आएंगे लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सात दिसंबर को ही आ रहे। मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर तैयारियों को देखेंगे। ऐसे में सात दिसंबर से पहले ही शहर को सजाने की कवायद की जा रही है। मंडलायुक्त ने सभी निर्माण कार्यों को भी समय से पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस के समक्ष सह अभियुक्त का बयान वैध साक्ष्य नहीं, हेरोइन तस्कर को किया आरोप मुक्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि पुलिस के समक्ष सह अभियुक्त का कबूलनामा वैध साक्ष्य नहीं है। ट्रायल के दौरान आरोपी के विरुद्ध इसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह टिप्पणी कर सह अभियुक्त के कबूलनामे के अलावा अन्य साक्ष्य उपलब्ध नहीं होने के आधार पर पुनरीक्षणकर्ता याची अजय कश्यप को एनडीपीएस एक्ट मामले से बरी कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति आरएमएन मिश्र की अदालत ने दिया। गाजीपुर निवासी अजय पर हेरोइन बरामदगी मामले में एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया था। अपर सत्र न्यायाधीश गाजीपुर के दोषमुक्ति अर्जी खारिज किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में आपराधिक पुनरीक्षण अर्जी दाखिल की। याची के अधिवक्ता डीएस मिश्र, कनिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मिश्र, चंद्र केश मिश्र ने दलील दी कि याची को मौके से नहीं पकड़ा गया था और न ही उसके पास से मादक पदार्थ बरामद किया गया था। गिरफ्तार किए गए सह अभियुक्त के बयान के आधार पर याची को फंसाया गया है। सह अभियुक्त याची का बेटा है। दोषमुक्ति अर्जी पर न्यायालय केवल देखेगी कि उपलब्ध साक्ष्यों व प्रावधानों के तहत प्रथमदृष्टया आपराधिक केस बनता है या नहीं। लेकिन, इस मामले में इसका पालन नहीं किया गया। पुलिस के समक्ष सह आरोपी के बयान के आधार पर याची की दोषमुक्ति अर्जी खारिज कर दी। जबकि, बयान के अलावा याची के विरुद्ध कोई साक्ष्य नहीं है। कोर्ट ने कहा पुलिस के समक्ष कबूलनामा वैध साक्ष्य नहीं है। याची के खिलाफ अन्य साक्ष्य न होने के कारण वह आरोप मुक्त किए जाने योग्य है। कोर्ट ने याची को आरोप मुक्त कर दिया।

मुट्ठीगंज के कारोबारी ने रिवश्वल्वर से खुद को मारी गोली, दुकान के केबिन में कर ली आत्महत्या

प्रयागराज। मुट्ठीगंज के आर्यकन्या इंटर कॉलेज के पास रहने वाले कारोबारी अमित कुमार जायसवाल (37) ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना को लाइसेंसी रिवॉल्वर से अंजाम दिया गया। मुट्ठीगंज में रामकृष्ण मिशन के सामने कारोबारी कालका जायसवाल का मकान है। उनका छोटा बेटा अमित जायसवाल पानी की बोतल और केक बेचने का कारोबार करता है। उनका दो साल का बेटा है। रोजाना की तरह बृहस्पतिवार को भी अमित काम पर थे। इसी बीच दुकान में बनी केबिन में उन्होंने खुद को गोली से उड़ा लिया। गोली की आवाज सुनकर अमित के भाई मनोज मौके पर पहुंचे। फर्श पर भाई को खून से लथपथ देखकर उनके होश उड़ गए। आननदृफानन उन्हें एसआरएन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने अमित को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रिवॉल्वर को कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई। मोबाइल और रिवॉल्वर को कब्जे में लिया जांच में पता चला कि कनपटी पर गोली लगने के कारण अमित की मौत हुई है। वहीं, मुट्ठीगंज थाना प्रभारी सुनील कुमार बाजपेयी ने बताया कि अमित का मोबाइल फोन कब्जे में लिया गया है। घटना से पहले उन्होंने किससे बात की है, इसे खंगाला जा जा रहा है। अबतक की जांच में आत्महत्या के कारणों का पता नहीं लगा है। जांच में पता चला है कि रिवॉल्वर लाइसेंसी था।

महाकुंभ में प्रयागराज से वाराणसी के बीच 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें

प्रयागराज। महाकुंभ के पहले भारतीय रेलवे ने सनातन संस्कृति के दो महत्वपूर्ण केंद्र प्रयागराज और वाराणसी के बीच की यात्रा को और अधिक तेज और सुगम बनाने का महत्वपूर्ण कार्य पूरा कर लिया है। डबल इंजन सरकार के मार्गदर्शन और प्रेरणा से प्रयागराज और वाराणसी के बीच के ट्रैक दोहरणीकरण का कार्य अंतिम चरण में है। इस कार्य की महत्वपूर्ण कड़ी गंगा रेल ब्रिज का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है। महाकुम्भ के दौरान इस ट्रैक से ट्रेनों का परिचाल शुरू हो जाएगा। ट्रैक दोहरीकरण के बाद प्रयागराज से वाराणसी के बीच ट्रेनों के परिचालन की औसत गति 100 से 130 किलोमीटर प्रतिघंटा हो जाएगी। 08 दिसंबर को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के निरीक्षण के बाद प्राधनमंत्री अपनी यात्रा के दौरान इस परियोजना का शुभारंभ करेंगे। महाकुंभ 2025 को दिव्य,भव्य, सुरक्षित और सुगम बनाने में केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहती। महाकुंभ 2025 में देश के कोने–कोने से लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज आने का अनुमान है। ऐसे में भारतीय रेलवे की भी महाकुम्भ 2025 को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। इसी दिशा में रेलवे ने वारणसी प्रयागराज रेल लाइन दोहरीकरण और गंगा रेल ब्रिज का काम पूरा कर लिया है। इस परीयोजना का निरक्षण कार्य ट्राली ट्रायल रन के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव स्वयं आठ दिसंबर को करेंगे। 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने प्रयागराज दौर पर महाकुंभ के निर्माण कार्यों के निरीक्षण और उद्घाटन के साथ इस परियोजना का शुभारंभ भी करेंगे। प्रयागराज और वाराणसी के बीच रेल ट्रैक के दोहरीकरण हो जाने से इस रूट पर अब ट्रेनें 100 से 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकेंगी। वंदे भारती जैसी अत्याधुनिक ट्रेन से प्रयागराज से वाराणसी के बीच की दूरी को एक से सवा घंटे में पूरा किया जा सकेगा। गंगा रेल ब्रिज और प्रयागराज, वाराणसी रेल ट्रैक दोहरीकरण का कार्य भारतीय रेलवे के संगठन आरवीएनएल ने किया है। प्रोजेक्ट के बारे में बताते हुए आरवीएनएल के जीएम विनय अग्रवाल ने कहा कि इस ब्रिज के निर्माण का प्रस्ताव 2003 में रखा गया था। लेकिन राजनैतिक इच्छाशक्ति की कमी और जमीन अधिग्रहण में समस्या होने के कारण इसका निर्माण कार्य रूका रहा। लेकिन डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से गंगा ब्रिज का निर्माण कार्य 2019 में शुरू हुआ और महाकुंभ के पहले इससे ट्रेनों की आवाजाही शुरू हो जाएगी।

अब दूसरे जिलों में भी होंगे असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के परीक्षा केंद्र, 1017 पदों पर होनी है भर्ती

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अशासकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए नौ व 10 फरवरी को लिखित परीक्षा आयोजित करने जा रहा है। पहली बार इसके लिए दूसरे जिलों में भी परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। अब तक केवल प्रयागराज में ही यह परीक्षा आयोजित की जाती रही है। इस भर्ती के लिए 31 अगस्त 2022 तक आवेदन लिए गए थे। पहले यह परीक्षा उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग कराता था और उच्चतर ने ही इसका विज्ञापन जारी किया था। लेकिन, नए आयोग में उच्च शिक्षा सेवा आयोग का विलय किए जाने के बाद यह भर्ती पूरी कराने की जिम्मेदारी अब उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के पास आ गई है। आयोग ने परीक्षा कराने के लिए सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर केंद्रों की लिस्ट मांगी है।

अक्षत गेस्ट हाउस त्योंथर के मीडिया संगोष्ठी कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी का सैकड़ो लोगों की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जन्मदिन

'सांसद जनार्दन मिश्र ने के. बी .सिंह पी .टी .आई. एवं जे . बी . सिंह शिक्षक को किया सम्मानित'

ऋरीवा सजिले के तहसील मुख्यालय त्योंथर के समीप स्थित अक्षत मैरिज गार्डेन पचामा में 30 नवंबर 2024 को

पत्रकारों द्वारा भारत के लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनार्दन मिश्र सांसद रीवा, कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक त्योंथर श्यामलाल द्विवेदी, विशिष्ट अतिथि डॉक्टर रघुराज प्रताप सिंह (उपाध्यक्ष विद्या भारती), विशिष्ट अतिथि ब्रम्ह नारायण शर्मा (पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन त्योंथर) मुख्य वक्तारूऋ ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार राम लखन गुप्त की उपस्थिति में सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी के जन्मोत्सव पर पंडित रामआज्ञा तिवारी अंजोरा द्वारा प्रस्तुत सुंदर गीत सुनकर सभागार में उपस्थित साहित्यकारो ध्पत्रकारों एवं शुभचिंतकों में नव ऊर्जा का संचार हुआ। लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका पर चर्चा करते हुए वरिष्ठ पत्रकारों ने अपने विचार व्यक्त किए जिसमें धर्मेंद्र पांडेय सिरमौर द्वारा उत्कृष्ट उद्बोधन एवं संजय पाण्डेय गढ़ , चंद्र किरण शर्मा मटियारी, सूर्यकांत शुक्ला नारीवारी, अशोक गुप्त कटरा, राजेश्वरी प्रसाद अतरैला, शिवरतन कटरा, मोनिंद्र सोनी आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए अभिव्यक्त की स्वतंत्रता एवं निर्भीक व पारदर्शी पत्रकारिता पर बल देते हुए पत्रकारों की सुरक्षा, आवश्यकता एवं समाज में उनके लेखन, प्रस्तुतीकरण व समायोजन के लिए सचेत होकर कार्य करने की अपेक्षा की। विशिष्ट अतिथियों में सर्वप्रथम बार एसोसिएशन त्योंथर के पूर्व अध्यक्ष ब्रह्म नारायण शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए न्यायिक कार्य में सुचिता और पारदर्शिता बनाए रखते हुए अधिवक्ताओं की समस्याओं पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि डॉक्टर रघुराज प्रताप सिंह ने मीडिया की भूमिका पर विस्तृत चर्चा करते हुए शैक्षणिक संस्थानों में नियमित अध्ययन हेतु विद्यार्थियों की रुचि जागृत करने एवं पत्रकारों से समसामयिक घटनाओं, क्षेत्रीय आवश्यकताओं के साथ–साथ राष्ट्र सेवा के भाव से उत्कृष्ट पत्रकारिता के प्रति अपनी राय दी। वरिष्ठ पत्रकार राम लखन गुप्त ने अपनी वॉक पटुता से पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं को इंगित करते हुए प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया के कुछ असामाजिक तत्वों से सचेत रहने के लिए आगाह किया क्योंकि वे सामाजिक समरसता एवं वास्तविक स्थिति से परे मीडिया को भी बदनाम करने की कोशिश करते हैं।मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी ने अपने जन्मदिन पर सभागार में उपस्थित समस्त सुभचिंतकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मीडिया के वास्तविक प्रतिबिंब पर प्रकाश डाला और पत्रकारिता की मूल अभिव्यक्ति, सिद्धांत व वर्तमान परिदृश्य में उसकी प्रासंगिकता को सुदृढ़ बनाने एवं पारदर्शिता

कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य अतिथि सांसद जनार्दन मिश्र ने भारत के लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका को अन्य देशों की तुलना में और अधिक प्रभावी व जिम्मेदारी से कार्य करने की मंशा और आवश्यकता को इंगित किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी ने समसामयिक घटनाओं के साथ–साथ जन कल्याणकारी सोच, सामाजिक सद्भाव एवं भविष्य में आने वाले चुनौतियां के प्रति आगाह एवं समाधान हेतु पत्रकारों की भूमिका का विस्तृत उल्लेख करते हुए मीडिया कर्मियों की समस्याओं का जिक्र किया। कार्यक्रम में अतिथियों को अंग वस्त्र एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया सांसद रीवा द्वारा अध्यापन कार्य में 44 वर्ष की सेवा दे चुके सरदार पटेल हायर सेकेंडरी स्कूल पटहट के सम्मानित शिक्षक के .बी .सिंह सेवानिवृत पी .टी.आई . एवं लगभग 32 वर्ष तक सेवा दे चुके जे .बी. सिंह शिक्षक को शाल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन करने वालों में राम लखन गुप्त पत्रकार चाकघाट, प्रदीप सिंह पत्रकार पटहट– शंकरगढ़, सुभाष चौरसिया डभौरा, शास्त्री प्रसाद मिश्र त्योंथर, मनोज शुक्ला जवा ,चंद्र किरण मिश्र मटियारी आदि रहे। कार्यक्रम में दिनेश द्विवेदी पत्रकार, कमलेश शुक्ला पत्रकार, सुधा कांत मिश्र बेलाला, सरस, शंकर तपो ज्योति मिश्र, वीरेंद्र मिश्र अमाव, विजय कश्यप पचामा, रियाजुद्दीन खान एडवोकेट, कमलाकर तिवारी, धर्मराज सिंह, डॉक्टर एस .पी. सिंह आदि लोगों की गरिमामय उपस्थिति रही ।कार्यक्रम में स्वल्पाहार की व्यवस्था से लोगों ने भरपूरआनंद लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मनोज शुक्ला पत्रकार जवा ने किया। प्रदीप सिंह पत्रकार पटहट– शंकरगढ़ ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों के सहयोग के लिए सहृदय आभार व्यक्त किया।

शिवमहापुराण कथा के आयोजन हेतु,

कोरंही गुलाल पण्डेय के पुरवा में निकाली गयी कलश यात्रा,

प्रतापगढ़ । बाघ राय थाना क्षेत्र के कोरंही ग्राम सभा के गुलालपाण्डेय का पुरवा में शिवमहापुराण कथा के सफल आयोजन हेतु पूजन अर्चन व पूर्व परिवारीजनों, ग्रामीणों मित्रो शुभचिंतकों

ने यजमान शिव मूर्ति पण्डेय, सपत्नीक परिवार के साथ घण्टे घड़ियाल के साथ कलश यात्रा निकाली गयी, इस यात्रा को आचार्य कथा व्यास पण्डित जगदेव तिवारी शास्त्री जी के साथ भक्तों का हुजूम, कथा स्थल से शुरू होकर, दवन का पुरवा, पण्डेय का पुरवा, बुआ की सराय होते हुए, शिवालयों, व दुर्गा मंदिर व अति प्राचीन देवी स्थलशीतला माई के मंदिर पर भ्रमण करते हुए कथा स्थल पर समापन हुआ, यह कथा मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 6 दिसंबर 2024, शुक्रवार कोविश्वेश्वर संहिता कथा,मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष षष्ठी 7 दिसंबर 2024, शनिवार रुद्र संहिता, रुद्र स्खंड कथा मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी ध्अष्टमी 8 दिसंबर 2024, रविवाररुद्र संहिता, शिव पार्वती विवाह पार्वती खंड कथा मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष नवमी 9 दिसंबर 2024, सोमवार रुद्र संहिता, कुमार खंड, रुद्र खंड मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष दशमी 10 दिसंबर 2024, मंगलवार सतरुद्र संहिता कथा,मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष एकादशी 11 दिसंबर 2024, बुधवार,कोटिरुद्र संहिता कथा,मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वादशी 12 दिसंबर 2024, गुरुवार,कैलाश संहिता, वाई बी संहिता एवं कथा विश्राम मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 13 दिसंबर 2024, शुक्रवार हवन, सहस्त्रधारा, ब्राम्हण भोज एवं भण्डारा का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी परिवारिक सूत्रों ने दी है।

'धनुपूर ब्लाक में स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता 7 दिसंबर को'

प्रयागराज । खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता धनुपूर का आयोजन शुकुलपुर खेल मैदान में किया जा रहा है।जिससे कि प्रतियोगिता में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को प्रतिभाग हो सके।ग्रामीण खेल–कूद प्रतियोगिता श का आयोजन दिनांक 07 दिसंबर को ग्रामीण मिनी स्टेडियम बन्नुपूर में होना सुनिश्चित किया गया है। जिसमें प्रतियोगिता, बालीबाल, एथलेटिंक्स, कबड्ड्डी, वेटलिफ्टिंग, वैटमिण्टन, फुटबाल, जूडो व कुश्ती विधा में (महिला एवं पुरुष वर्ग सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग) में आयोजित किया जाना है। अपने ग्राम पंचायत में विद्यालय के खिलाड़ियों के साथ निर्धारित तिथि में आधारकार्ड की फोटोकापी के साथ प्रातः 09 बजे से प्रतिभाग करने का अपील किया है।

रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक के पूरे गजई में मजदूर चौपाल आज

लोकपाल समाज शेखर मजदूरों से करेंगे संवाद और निरीक्षण

रामपुर बावली का करेंगे स्थलीय भ्रमण

प्रतापगढ़। रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक के पूरे गजई में शनिवार 7 दिसंबर को मजदूर चौपाल आयोजित होगी। चौपाल की अध्यक्षता

लोकपाल समाज शेखर करेंगे। लोकपाल मजदूरों से संवाद और समस्याओ को सुनेंगे और निरीक्षण करेंगे। साथ ही अति प्राचीन जल संरचना रामपुर बावली का स्थलीय भ्रमण करेंगे। लोकपाल समाज शेखर रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक के अशोक तिवारी सहित ग्राम की अन्य आई शिकायतों के परिप्रेक्ष्य में बीडीओ को जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिया था। अभी तक आख्या न आने की दशा में लोकपाल ने पूरे गजई में मजदूर चौपाल लगाने का निर्देश दिया। लोकपाल मजदूरों से रूबरू होकर आई शिकायतों का निस्तारण करेंगे। वहीं जनपद की अति प्राचीन जल संरचना रामपुर बावली का स्थलीय भ्रमण स्थानीय ग्राम पंचायत व ब्लाक के अधिकारियों के साथ करेंगे। उपायुक्त मनरेगा ने लोकपाल के कार्यक्रम में ब्लाक के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार को उपस्थित रहकर सहयोग करने का निर्देश दिया है।

सपा नेताओं ने दी बाबा साहब को श्रद्धांजलि

लखनऊ, संवाददाता। बख्शी का तालाब में सपा जिला उपाध्यक्ष और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया। शुक्रवार को आयोजित हुए इस कार्यक्रम में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पण कर कहा कि उनके द्वारा रचित संविधान पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर उनके आदर्शों पर चलने पर ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस 68 वें महापरिनिर्वाण दिवस पर जिला उपाध्यक्ष ने कहा कि हमारे देश के संविधान के शिल्पकार भारत रत्न न्याय के अग्रदूत बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि जिसे हर भारतीय द्वारा महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्रगण **अनुराग कुमार मौर्या उर्फ अजय व विजय कुमार मौर्या** जो हमारे कहने सुनने में नहीं हैं और आये दिन लड़ाई-झगड़ा करते हैं और इनके कृत्यों से हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है। इनके कृत्यों को देखते हुये **मैं अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से इन दोनों को बेदखल करता हूँ।** यदि अनुराग कुमार मोर्या उर्फ अजय व विजय कुमार के द्वारा किसी से लेन-देन य अवैध कार्य करते हैं तो ये इनकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। इन लोगों का मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं है और न ही भविष्य में रहेगा।

कमलेश कुमार मौर्या , पुत्र जगन्नाथ मौर्या , **निवासी** ग्राम मालापुर थाना होलागढ़ तह. सोरॉव जनपद प्रयागराज ।

सच्ची भक्तिसे भगवान को पाया जा सकता है - आचार्य हिमांशु शुक्ल

प्रतापगढ़ –सश्री बांके बिहारी जी के प्राकट्य के शुभ अवसर पर आचार्य हिमांशु शुक्ल ने बताया कि मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को स्वामी हरिदासजी की सघन–उपासना के फलस्वरूप वृंदावन के निधिवन में श्री बांकेबिहारी जी का प्राकट्य हुआ।बिहारी जी के इस प्राकट्य उत्सव को श्विहार पंचमीश के रूप में बड़े ही उल्लास के साथ मनाया जाता है।इस अवसर पर मंदिर को भव्य रूप से सजाया जाता है और विशेष पूजा अर्चना की जाती है।देश–विदेश से आएं श्रद्धालु इस पावन पर्व का हिस्सा बनते हैं। वृंदावन,भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की लीलाओं से जुड़ी पावन भूमि है।बांके बिहारीजी की मूर्ति का प्राकट्य अत्यंत चमत्कारिक और दिव्य घटना है, जो भक्तों के हृदय में भक्ति और श्रद्धा का संचार करती है। मनोहर श्यामवर्ण छवि वाले श्रीविग्रह श्रीकृष्ण और राधारानी के सयुंक्त स्वरुप का प्रतीक है। बांकेबिहारी नाम का विशेष अर्थ है श्बांकेश यानी तीनों स्थानों से झुके हुए और श्बिहारीश नाम का अर्थ है श्वृंदावन में बिहार करने वालेश।श्रीकृष्ण की यह मुद्रा भक्तों के लिए उनके प्रेम और लीलाओं की प्रतीक है।वृंदावन में स्थित बांके बिहारी जी का मंदिर श्रीकृष्ण भक्तों के लिए विशेष आस्था का केंद्र है।बांके बिहारी जी की मूर्ति के प्राकट्य का सीधा संबंध संत हरिदास जी से है,जो श्रीकृष्ण और राधारानी के अनन्य भक्त थे और वृंदावन के निधिवन में साधना करते थे।वही निधिवन जहां के बारे में आज भी मान्यता है कि यहां हर रात राधा–कृष्ण गोपियों संग रासलीला करते हैं। स्वामी हरिदास जी सखी–संप्रदाय के प्रवर्तक थे।संत हरिदास जी वृंदावन में नित्य राधा–कृष्ण की लीलाओं का गान करते थे।उनका मुख्य उद्देश्य भक्ति के माध्यम से भगवान को प्रसन्न करना था।वे अपने भक्तिभाव में इतने लीन हो जाते थे कि उन्हें सांसारिक सुख–दुख का कोई ध्यान नहीं रहता था।मान्यता के अनुसार स्वामी हरिदास जी को राधाजी की एक सखी का ही स्वरूप माना गया है,जिनका नाम ललिता था।प्रसंग आता है कि संत हरिदास जी निधिवन में अपनी बांसुरी और स्वर माधुर्य से राधा–कृष्ण की लीलाओं का गान करते थे।कहा जाता है कि एक दिन जब वे भक्ति और प्रेम में डूबकर भजन गा रहे थे,तो राधा–कृष्ण उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर स्वयं उनके सामने प्रकट हुए।संत हरिदास जी ने जब भगवान का यह दिव्य रूप देखा तो उनसे प्रार्थना की कि वे हमेशा भक्तों के बीच रहें।उनकी प्रार्थना पर भगवान राधा–कृष्ण ने एक दिव्य मूर्ति का रूप धारण किया। यह मूर्ति बांके बिहारी जी के नाम से प्रसिद्ध हुई।मूर्ति की विशेषता यह है कि इसके दर्शन मात्र से भक्तों को राधा–कृष्ण के दिव्य प्रेम का अनुभव होता है।संत हरिदास जी ने बांके बिहारी जी की इस दिव्य मूर्ति को निधिवन में स्थापित किया।प्रारंभ में इस मूर्ति की पूजा निधिवन के भीतर होती थी।समय के साथ भक्तों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बांके बिहारी जी का मंदिर बनाया गया।यह मंदिर आज वृंदावन के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है।बांके बिहारी जी के प्राकट्य की यह कथा भक्तों को यह संदेश देती है कि सच्ची भक्ति और प्रेम से भगवान को पाया जा सकता है।

अखण्ड आर्यावर्त महासभा ने मनाया शौर्य दिवस

लखनऊ, संवाददाता। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने आज यहां कुर्सी रोड स्थित पार्टी मुख्यालय में अयोध्या में वर्ष 1992 में आज ही के दिन राम मन्दिर के लिये ढहाये गये विवादित ढांचे और काशी विश्वनाथ व श्रीकृष्ण जन्मभूमि सहित अन्य हिन्दू धार्मिक स्थलों को मुक्त कराने के संकल्प के साथ शौर्य दिवस मनाया गया। इस मौके पर आज मथुरा न पहुंच पाने के कारण पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी सहित कई प्रमुख पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओ ने पार्टी मुख्यालय में ही लड्डूगोपाल का जलाभिषेक कर विधिवत पूजन किया। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता बाबा महादेव, राष्ट्रीय मंत्री श्रवण मिश्रा, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्रमौली शुक्ला, प्रचार मंत्री सुनील कुमार सिंह, बाराबंकी के जिलाध्यक्ष शिवम वर्मा, महिला जिला अध्यक्ष उपासना वर्मा, प्रदेश कार्यालय प्रभारी प्रमोद कुमार सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे। शौर्य दिवस कार्यक्रम के दौरान पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि देश में मुगलों के शासन के दौरान हिन्दू धार्मिक स्थलों को क्षतिग्रस्त कर बनाये गये अवैध अतिक्रमणों से मुक्त कराने के लिये पार्टी निरन्तर आन्दोलन चलाती रहेगी। पांच सौ संघर्षों के बाद राम मन्दिर का निर्माण का उदाहरण देते हुये श्री त्रिवेदी ने कहा कि न्यायिक लड़ाई के साथ पार्टी सड़कों पर उतरकर निरन्तर आन्दोलन करती रहेगी। श्री त्रिवेदी ने लक्ष्मण टीला के मामले पर चर्चा करते हुये बताया कि लक्ष्मण टीला पर किये गये अतिक्रमण को हटाने और भविष्य में किसी भी तरह के अवैधानिक कार्य न किये जाने को लेकर पुरातत्व विभाग के द्वारा दो बार जिला प्रशासन को नोटिस जारी किया जा चुका है, लेकिन उस पर जिला प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

'डॉ. नसरीन ने कौशाम्बी की पौराणिक कथाओं एवं इतिहास पर डाला प्रकाश'

'हमीदिया गर्ल्स डिग्री कश्वलेज के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, बी. वोक. प्रोग्राम और फारसी विभाग की छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण'

प्रयागराज। कौशाम्बी जनपद स्थित प्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक पुरास्थलों घोसिताराम चैत्य–विहार, अशोक स्तम्भ क्षेत्र, श्येनचिति, राजप्रासाद का वर्णन ब्राह्मणग्रंथों, उपनिषदों के साथ–साथ रामायण तथा महाभारत में भी मिलता है। यह बातें डॉ हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, बी. वोक. प्रोग्राम और फारसी विभाग की स्नातक कर रहीं छात्राओं से इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की प्रो. डॉ. नसरीन बेगम ने अपने नेतृत्व में कौशाम्बी शैक्षणिक भ्रमण के दौरान कहीं। उन्होंने पौराणिक कथाओं एवं इतिहास पर प्रकाश डालते हुए यह भी बताया कि कौशाम्बी की गणना बुद्ध कालीन छह प्रमुख नगरों में की गई है। बौद्ध परम्परा के अनुसार महात्मा बुद्ध यहां दो बार आये थे। इविवि के प्रोजीआर शर्मा ने यहां 1949 से 1965 तक अनवरत उत्खनन कार्य करवाया था। डा. नसरीन बेगम ने छात्र–छात्राओं को पुरातात्विक सर्वेक्षण, अंकन व उत्खनन की बारीकियां एवं डॉ. शबाना अजीज ने विरासत को पीढ़ियों तक सुरक्षित प्रकाश डाला। कॉलेज के प्राचार्या प्रोफेसर नासेहा उस्मानी ने भारत के गौरवशाली इतिहास व संस्कृति को गहराई से समझने के लिए विद्यालयीय शिक्षा के अतिरिक्त इस तरह के शैक्षिक भ्रमण और प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकताओं पर बल दिया।

आरेडिका में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस का आयोजन।

रयबरेली । आरेडिका रायबरेली में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस का आयोजन किया गया। आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ डॉ. भीमराव अम्बेडकर की चित्र प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजली दी गई । महाप्रबंधक महोदय ने अपने सम्बोधन में बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन विशाल एवं विराट था। बाबा साहब समाज सुधारक, जातिवाद उन्मूलक, राष्ट्र नायक थे। वे मानव के सम्पूर्ण विकास के लिए शिक्षा को बहुत महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होने देश का संविधान निर्मित कर लोगों को स्वतंत्रता, समानता, और बन्धुता के साथ गरिमामय जीवन का अधिकार दिलाया। एससीध्एसटी एसोसिएसन के जनरल सैकेट्ररी देवनाथ निर्मल, के द्वारा डॉ. अम्बेडकर के जीवन उनके संघर्षों, योगदान, और बहुआयामी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाबा साहब महामानव थे एवं स्त्री शिक्षा के हिमायती थे। इस अवसर पर आरेडिका के पीसीएमई विवके खरे, पीसीईई हरीश चंद्र, पीसीईई सत्य प्रकाश यादव, पीसीपीओ रूपेश श्रीवास्तव, एससीध्एसटी एसोसिएसन एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी, यूनियनों के पदाधिकारी उपस्थिति रहे।

कांग्रेस के खून में कुर्बानी, सांसद पात्रा का बयान निंदा योग्य : प्रमोद तिवारी

लखनऊ, संवाददाता। राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने भाजपा सांसद संबित पात्रा के संसद में की गई उस टिप्पणी पर घोर आपत्ति जताई जिसमें उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर देशद्रोह का आरोप लगाया था। अपनी मांगों को लेकर दिल्ली की तरफ कूच कर रहे किसानों और उनको रोकने के लिए प्रशासन की तरफ से लगाई गई बैरिकेडिंग को लेकर कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा, यह सरकार की क्रूरता है। जब तीन साल पहले करीब 700 किसानों की शहादत हुई थी, तब उन्होंने खुद ही समझौता किया था। न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार के कृषि मंत्री एवं किसानों के बीच समझौता हुआ था। लेकिन अगर वो आज मुखर रहे हैं, तो वो विश्वासघात है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा के राहुल गांधी को देशद्रोही बोलने और देश का नैरेटिव खराब करने के सवाल पर प्रमोद तिवारी ने कहा, जिन्होंने अंग्रेजों की मुखबिरी की और अंग्रेजों की फौज में भर्ती होने का पत्र लिख रहे थे, उन्ही संगठनों के राजनीतिक दल भाजपा के सदस्य संबित पात्रा ने ये घटिया आरोप लगाया है। वो याद कर लें कि देशद्रोह करने का काम भाजपा के मातृ संगठन ने किया था। राहुल गांधी के परिवार ने देश के लिए अपनी कुर्बानी दी। उनके खून में देश के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना है। ऐसे में मैं संबित पात्रा के इस बयान की कठोरता से निंदा करता हूं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभल और बांग्लादेश के हालात पर 500 साल पहले बाबर के समय से तुलना करने पर कांग्रेस नेता ने कहा, भाजपा डीएनए पर नहीं जाए। वरना आजादी के समय या उससे पहले जो किया, कहीं डीएनए टेस्ट हो तो भाजपा का डीएनए ही बाबर और औरंगजेब से नहीं निकाल आए।

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे चार पुत्रों में से दूसरे नम्बर का पुत्र रत्नेश प्रजापति मेरे कहने सुनने में नहीं है।वह अपनी मनमानी करता है। उसकी बेजा हरकतों से आजिज आकर मैंने अपने उक्त पुत्र को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा उससे मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों से कोई भी वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

राम दुलार प्रजापति
पुत्र स्व0 बाबादीन प्रजापति
निवासी-प्लाट नं0 89 त्रिवेणी नगर पोस्ट-टी0एस0एल0, थाना-नैनी जिला-प्रयागराज।

सम्पादकीय.....

स्वदेशी ज्ञान को मान

परतंत्रता, वक्त के थपेड़ों व कालांतर बाजार के गहरे दखल से भले ही भारत का प्राचीन सेहत का ज्ञान सदियों से हाशिये पर रहा है, लेकिन पिछले एक दशक के राजाश्रय में इसकी देश–विदेश में प्रतिष्ठा स्थापित हुई। भारत में अथाह गरीबी के चलते प्रकृति के सान्निध्य में सेहत के गुर को महसूस करते हुए महात्मा गांधी ने प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को देश में प्रतिष्ठा दी थी। आज भी उनके अनुयायी पूरे देश में इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। यह सुखद ही है कि एक दशक पूर्व राजग सरकार ने जिस आयुष मंत्रालय की स्थापना करके इस दिशा में जो रचनात्मक पहल की थी, उसके उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। उसके चलते भारत ही नहीं, विदेशों में भी हमारी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बढ़ी है। इस अभियान के एक दशक पूरे होने पर आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। ये एक बहुत उत्साहजनक आंकड़ा है। इतना ही नहीं आयुष बाजार का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध–अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित उन्नति की है। ऐसे में यदि विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता का कल्याण ही होगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि तीव्र विकास की छाया में गरीबी का भी विस्तार हुआ है। महंगी होती चिकित्सा पद्धति गरीब की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकारी चिकित्सा तंत्र मरीजों के भारी बोझ से चरमरा रहा है। ऐसे में यदि जीवन शैली में सुधार, सजगता व शारीरिक सक्रियता से लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिले तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया ही जाना चाहिए।यह भी एक हकीकत है कि आयुष बाजार के विस्तार से जहां सेहत के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपचार में मदद मिली है, वहीं इससे रोजगार व उद्यमिता को भी संबल मिला है। एक ओर जहां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन से रोजगार बढ़े हैं, वहीं इसमें प्रयोग की जाने वाली जड़ी–बूटियों, फल और इससे जुड़े जैविक उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। कमोबेश इसी तरह योग से जुड़ी सामग्री का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग को वैश्विक मान्यता मिली है। हालांकि, अमेरिका,यूरोप व आस्ट्रेलिया आदि में योग के सामान से जुड़ा कारोबार ज्यादा ऊंचाइयां छू रहा है। यह सुखद है कि हम देर से ही सही, इस दिशा में आगे बढ़े हैं। हमारे आयुर्वेद के उत्पादों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने के लिये साझे प्रयास जरूरी हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि हम आयुष उत्पादों की गुणवत्ता बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें। उनका आधार वैज्ञानिक प्रमाण हों। इससे भारत पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के जरिये वैश्विक नेतृत्व करने में सक्षम हो सकेगा। दरअसल, भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों मसलन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा,योग, सिद्ध आदि पद्धतियों की धारणा रही है कि किसी रोग को दबाने के बजाय उसके कारकों का उपचार किया जाए। साथ ही यह भी कि हमारे विचार, खानपान और प्रकृति का सान्निध्य जीवन को स्वस्थ बनाने में मददगार होता है। जिसका मूल आधार हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना होता है। लेकिन इसके मायने आधुनिक चिकित्सा पद्धति की अनदेखी नहीं है, बल्कि समन्वय ही है। निश्चित रूप से यदि विज्ञान व परंपरा के समन्वय का मणिकांचन संयोग होगा तो सेहत के लक्ष्य हासिल करना ज्यादा आसान होगा। भारतीय जीवनशैली, खानपान, परिवेश व ऋतुचक्र के अनुरूप यदि उपचार होगा तो उसका सकारात्मक प्रतिसाद भी मिलेगा। ऐसे में हमारी सस्ती परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां गरीब, विकासशील व ग्लोबल साउथ के देशों को आरोग्य की राह दिखा सकती हैं। जरूरी है कि सदियों के अनुभव से हासिल गुणवत्ता व प्रमाणिकता के परंपरागत ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के मध्य तालमेल की कोशिश की जाए।

संभल का सच छिपाती सरकार

डॉ. दीपक पाचपोर

किसी घटना स्थल का दौरा करना उनका सिर्फ नैतिक कर्तव्य नहीं है वरन यह उनका संवैधानिक अधिकार भी है। यदि सरकार इस हद तक जाती है तो साफ है कि वह संभल का सच छिपाना चाहती है।

अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार कांग्रेस के नेता राहुल गांधी हिंसाग्रस्त संभल (उत्तर प्रदेश) जाने के लिये बुधवार की सुबह अपनी बहन व सांसद प्रियंका के साथ निकले तो थे, लेकिन तकरीबन डेढ़ सौ किलोमीटर पहले ही गाजीपुर बॉर्डर पर उन्हें रोक दिया गया। उप्र पुलिस ने उन्हें आगे जाने की इजाजत नहीं दी। पिछले दिनों वहां की शाही मस्जिद में सर्वेक्षण को लेकर जो हिंसा हुई थी, उसका सच छिपाने के लिये उप्र तथा केन्द्र की डबल इंजिन सरकार इतनी बेताब है कि वह यह भी भूल गयी कि राहुल अब केवल रायबरेली के सांसद या एक पार्टी विशेष के नेता ही नहीं है बल्कि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। किसी घटना स्थल का दौरा करना उनका सिर्फ नैतिक कर्तव्य नहीं है वरन यह उनका संवैधानिक अधिकार भी है। यदि सरकार इस हद तक जाती है तो साफ है कि वह संभल का सच छिपाना चाहती है। सत्य के उजागर होने का डर साफ दिखाई पड़ता है। उल्लेखनीय है कि जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अन्य नेताओं व अपने काफिले के साथ दिल्ली–गाजीपुर सीमा पर पहुंचे तो वहां तैनात बड़े पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया। राहुल की कोई भी बात नहीं मानी गयी और उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं मिली। उन्होंने इस आशय का प्रस्ताव तक दिया कि वे अकेले जाने के लिये तैयार हैं और उनके साथ चाहें तो पुलिस अधिकारी चल सकते हैं। उन्हें बार–बार इस बात की दुहाई दी गयी कि वहां जाने से माहौल और बिगड़ेगा। ऊपर से ही उन्हें न जाने देने के आदेश के संकेत तो दिये गये लेकिन ऐसा कोई आदेश दिखाया नहीं गया। अंततरू राहुल–प्रियंका को लौट जाना पड़ा। एक अदालती आदेश के बाद शाही मस्जिद का, जो तकरीबन 500 साल पुरानी है, भारतीय पुरातात्विक विभाग द्वारा 24 नवम्बर को सर्वेक्षण किया गया था। पहला सर्वे शांतिपूर्ण गुजरा लेकिन जब दूसरे चरण के सर्वे के लिये वजूखाना खाली कराया गया, तो शहर में हिंसा भड़क उठी थी। इसे शांत करने के नाम अल्पसंख्यकों के खिलाफ जुल्म होने के आरोप अनेक संगठनों तथा कई विपक्षी नेताओं ने लगाये हैं। सांसद डिम्पल यादव (समाजवादी पार्टी) का आरोप है कि राज्य में विधानसभा की 9 सीटों के लिये हुए उपचुनाव के मद्देनजर भाजपा ने दंगे कराये। इसमें लगभग आधा दर्जन लोगों की पुलिस के गोली चालन से मौत हो गयी थी। अगर यह आरोप सही है तो इसका फायदा मिलता दिखा भी। भाजपा को 7 विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल हुई। उसी दौरान हुए महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान भी संभल मामले को भाजपा ने भुनाने की कोशिश की थी। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले हरियाणा के विधानसभा चुनाव में प्रचार करते हुए श्बटेंगे तो कटेंगेश का जो नारा दिया था, उसे उन्होंने झारखंड के दूसरे तथा महाराष्ट्र के प्रचार–अभियान के दौरान संभल का दृष्टांत देते हुए दोहराया था। यह अलग बात है कि उसे महाराष्ट्र में भाजपा की सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की ओर से यह कहकर खारिज कर दिया गया था कि महाराष्ट्र में यह नारा नहीं चलेगा। संभल की प्रासंगिकता बनाये रखने तथा उसका हवाला देने में सहूलियत हो, इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्एक हैं तो सेफ हैं का नारा दिया था। बहरहाल, संभल की घटना को लेकर उप्र सरकार का कहना रहा है इस हिंसा के दोषी अल्पसंख्यक हैं। यदि ऐसा होना सच भी मान लिया जाये तब तो उप्र सरकार को सभी को संभल जाने देना चाहिये ताकि यह सत्य सामने आये। ऐसा वह इसलिये नहीं कर रही है क्योंकि वह जानती है कि सच्चाई कुछ और है। धर्म स्थलों से सम्बन्धित कोई विवाद स्वतंत्र भारत की धर्मनिरपेक्ष बुनियाद को हिला न सके इसलिये 1991 में उपासना स्थल अधिनियम बनाया गया था कि 1947 की स्थिति बरकरार रखी जायेगी। यानी कि जो धर्म स्थल जिस मजहब के हैं वे उसी के बने रहेंगे। जहां तक रामजन्मभूमि का मामला था तो उसे अपवाद माना गया था क्योंकि वह पहले से न्यायाधीन था। जब से (2014 में) मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने सरकार बनाई है, तभी से उसके समर्थकों तथा कट्टर हिंदूवादियों का उत्साह आसमान पर है। वैसे तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक प्रमुख मोहन भागवत कहते हैं कि जरूरी नहीं कि रोज किसी धर्म स्थल की खुदाई की जाये, लेकिन प्रति दिन देश की किसी न किसी मुस्लिम शासनकाल की इमारत के नीचे भाजपाइयों–संघियों या अनुषांगिक संगठनों से जुड़े लोगों को मंदिर या हिन्दू धर्म स्थल दिखलाई पड़ता है। यहां तक कि विश्वविख्यात ताजमहल परिसर में वे वहां कभी हनुमान चालीसा पढ़ते हैं या फिर जल चढ़ाते हैं। भारत के स्वतंत्र होने के बाद यह प्रावधान ऐसी ही उन्मादी घटनाओं को टालने के दृष्टिकोण से किया गया था ताकि विभिन्न धार्मिक मतों वाले इस देश में इन स्थलों पर विवाद न हों। संभल के बाद अब राजस्थान की एक निचली अदालत ने अजमेर की प्रसिद्ध ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह की खुदाई के लिये भी आदेश पारित कर दिये हैं। संभल में यदि लोगों से बात होती तो ऐसी ही कई बातें सामने आतीं। वहां की हिंसा को लेकर यदि वास्तविक तथ्य सतह पर आएंगे तो यह भी साफ हो जायेगा कि इस घटना के पीछे किनका हाथ है। साथ ही यह भी पता चल सकता है कि राज्य सरकार की उसमें क्या भूमिका रही है। सत्तारुढ़ भाजपा ऐसा नहीं चाहेगी। यह भी नहीं चाहेगी कि राहुल या अन्य लोग वस्तुस्थिति का जायजा लें। ऐसा हुआ तो वह बेनकाब हो जायेगी।

झुलसते देश में फिल्म की स्क्रीनिंग

सर्वमित्रा सुरजन

दुनिया में भारत की खास पहचान उसके बुनियादी चरित्र के कारण कायम हुई। वह चरित्र जो हमेशा सत्य की प्रतिष्ठा का आग्रही रहा है, साथ ही उदारता, सद्भाव, अहिंसा, त्याग, लचीलेपन जैसे गुणों को तरजीह देता आया है। दुनिया के सभी धर्मों के अनुयायी भारत में हैं। पूरे विश्व में सम्राट अशोक जैसी मिसाल नहीं है, जिन्होंने एक युद्ध जीतने के बाद हिंसा और रक्तपात देखकर न केवल जीता हुआ राज्य लौटा दिया, बल्कि आजीवन अहिंसा का ही पालन किया। हमारी पौराणिक कथाओं में कर्ण जैसे चरित्र हैं, जो सत्ता के लालची दुर्योधन का साथ केवल मित्रता के नाते देता है और जिसे सम्मान से याद किया जाता है, क्योंकि उसने दानवीरता की मिसाल कायम की। दुनिया ने गांधी की अहिंसा की ताकत को स्वीकार किया, बुद्ध की शिक्षा को अपनाया। भारत को इन महान चरित्रों के कारण याद किया जाता रहा है। लेकिन अब इतिहास का हवाला देकर भारत की इस चारित्रिक विशेषता को ही खत्म करने का काम संघ और भाजपा करने में लगे हैं। अब वैश्विक पटल पर भारत का नाम गौतम, गांधी, अशोक या अकबर के कारण नहीं आ रहा, बल्कि कश्मीर, अयोध्या, मणिपुर, संभल और अजमेर में बढ़ रहे तनाव के कारण आ रहा है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने संसद भवन में फिल्म द साबरमती रिपोर्ट देखी। इस फिल्म को भाजपा शासित तमाम राज्यों में काफी बढ़ावा मिल रहा है, प्रधानमंत्री से पहले भाजपा के कई मुख्यमंत्री इस फिल्म को देख चुके हैं। इस फिल्म में तथ्यों और कल्पना का कितना घालमेल है, यह अलग विश्लेषण का विषय है। लेकिन याद रहे कि बीबीसी का तथ्यों पर आधारित वृत्तचित्र द मोदी क्वेश्चन भारत में प्रतिबंधित है, क्योंकि सरकार को इसमें नरेन्द्र मोदी के खिलाफ साजिश नजर आई। बहरहाल, सवाल यह है कि प्रधानमंत्री की प्राथमिकताएं क्या हैं। जून में तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद उनका काफी वक्त हरियाणा, जम्मू–कश्मीर, झारखंड और महाराष्ट्र चुनावों के प्रचार में बीता, जो बचा वक्त रहा, उसमें उनकी कई विदेश यात्राएं हो गईं। इस दौरान तीसरी बार संसद का सत्र लगा है, लेकिन इसमें भी लगातार व्यवधान ही देखे गए और जब सत्र चल भी रहा है तो प्रधानमंत्री संसद कम पहुंच रहे हैं।18–18 घंटे काम करने और एक भी छुट्टी न लेने का जो तमगा श्री मोदी के कंधों पर लगा हुआ है, वो कितना असली है, इसकी परख भी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री होने के नाते श्री मोदी को अधिक वक्त देश के मुद्दों और समस्याओं पर गौर करने में बिताना चाहिए। लेकिन इस दौरान वे एक ऐसी फिल्म देखने के लिए वक्त निकाल रहे हैं, जिसका आम जनजीवन पर न कोई असर पड़ना है, न इसका कोई सरोकार उससे जुड़ा है। गुजरात बीते भी 20 साल हो चुके हैं। उस वक्त के सच अब बिलकिस बानो की तरह सिर उठाकर समाज के सामने आ चुके हैं। समाज के सामने अब उस सच का सामना करने और सबक लेने की जरूरत है। लेकिन यहां कोई खेल रचा जा रहा है। अब गुजरात की तरह उत्तरप्रदेश और धीरे–धीरे बाकी देश में ऐसी ही प्रयोगशाला बनाने की तैयारी हो रही है, जहां सच को झुलसाकर राख किया जाए और उस राख पर सत्ता के महल बनाए जाएं। इस काम के लिए जो टूलकिट बनाई गई है, उसमें मीडिया और न्यायपालिका दोनों को शामिल किया गया है। उत्तरप्रदेश के संभल में इन दिनों यही प्रयोग किया जा रहा है। शाही जामा मस्जिद के नीचे हरिहर मंदिर होने के दावे के आधार पर अदालत ने सर्वे की अनुमति दे दी और एक नहीं दो–दो बार सर्वे हो गए। इससे जो तनाव उपजा और अशांति कायम हुई, उससे सब वाकिफ हैं। पहली बात तो सर्वे की अनुमति देना ही उपासना स्थल अधिनियम 1991 के खिलाफ था, जिसमें 1947 के बाद के किसी धार्मिक स्थल का चरित्र नहीं बदल सकते। लेकिन मई 2022 में ज्ञानवापी मामले में फैसला सुनाने के दौरान तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने मौखिक टिप्पणी की थी कि पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र का निर्धारण निषिद्ध नहीं है। यानी आप किसी धार्मिक स्थल को दूसरे धार्मिक स्थल में तब्दील नहीं कर सकते, लेकिन यह तो बता सकते हैं कि वहां पहले क्या था। यह बौद्धिक बेईमानी की मिसाल है, जिसमें न्याय की आसंदी पर बैठे व्यक्ति ने अन्याय के लिए रास्ता बता दिया।सर्वोच्च न्यायालय से आई इस टिप्पणी के बाद निचली अदालतों को मौका मिल गया कि वे किसी मस्जिद या दरगाह के नीचे क्या था, यह पता लगाने का आदेश आसानी से पारित कर सकें। संभल में यही खेल हुआ, वहां सर्वे की अनुमति दी गई और मुस्लिम पक्ष की बात सुने बिना ही कार्रवाई शुरु भी हो गई। दूसरी बात यह है कि सर्वे का काम शांति से, बिना किसी हो–हल्ले के हो सकता था। लेकिन यहां बाकायदा मजमा लगने दिया गया और जब हालात बेकाबू हुए तो पुलिस कार्रवाई के लिए आगे आई। अब निर्दोषों की जान चले जाने के बाद इंटरनेट बंद करने, कर्फ्यू लगाने जैसे उपाय किए गए और फिर विपक्ष के सांसदों को वहां जाने से रोका जा रहा है। भीम आजाद पार्टी के सांसद चंद्रशेखर, समाजवादी पार्टी के विधायकों और अब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संभल जाने से रोककर भाजपा सरकार ने बता दिया कि संभल में हालात सामान्य नहीं हैं और वहां बहुत कुछ ऐसा है, जिसे छिपाने की कोशिश की जा रही है। संभल के बाद अब अजमेर शरीफ में यही हो रहा है और कतार में अगली बारी शायद अजमेर में ही अढ़ाई दिन का झोपड़ा मस्जिद की है, क्योंकि अजमेर के डिप्टी मेयर नीरज जैन ने इस मस्जिद को लेकर जारी बयान में दावा किया है कि इसमें संस्कृत कॉलेज और मंदिर होने के सबूत मिले हैं। गौरतलब है कि यह मस्जिद एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक है। मई 2022 में राहुल गांधी ने कहा था कि देश में केरोसिन छिड़क दिया गया है, चिंगारी लगाने की देर है। श्री गांधी के इस बयान पर काफी विवाद खड़ा हुआ था। भाजपा ने इसका खूब विरोध किया था। लेकिन अब लगता है कि श्री गांधी की टिप्पणी अनायास नहीं थी। मौजूदा राजनेताओं में चंद ही ऐसे हैं, जो न कभी अपनी बात से पलटते हैं, न जिनके दावे वक्त के साथ बदल जाते हैं और सबसे खास बात यह कि उनकी कही बात अक्सर सच साबित होती है। राहुल गांधी की गिनती इन्हीं नेताओं में शुमार होती है। राहुल गांधी भविष्यवक्ता नहीं हैं, लेकिन जननेता वे बन चुके हैं। सुरक्षित और सुविधाजनक दायरे के भीतर कैद रहकर वे राजनीति नहीं कर रहे, लोगों के बीच उतर कर देश की नब्ज टटोल रहे हैं। इसलिए वे जो कुछ कहते हैं वह बात अनुभव से निकली होती है और इसलिए सच हो जाती है। केरोसिन छिड़कने और चिंगारी लगाने की बात भी अब सच होती ही दिख रही है। कानून व्यवस्था के नाम पर राहुल गांधी को तो संभल जाने से रोक दिया गया, जब संसद में इस पर सवाल उठे तो लोकसभा अध्यक्ष की आसंदी पर बैठे जगदंबिका पाल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को सदन में रहना चाहिए। क्या यही बात प्रधानमंत्री को कही जा सकती है कि आप को भी सदन में रहना चाहिए ताकि संसद सत्र में कामकाज हो सके। या क्या प्रधानमंत्री को यह कहा जा सकता है कि नेता प्रतिपक्ष को तो संभल जाने से रोका गया, लेकिन आपको वहां जाना चाहिए, ताकि लोगों के जख्मों पर मरहम लगे। जो अन्याय हुआ है, उसमें इंसाफ की गुंजाइश बने। या प्रधानमंत्री के मनोरंजन के लिए किसी नयी फिल्म की स्क्रीनिंग की तैयारी हो, ताकि देश में लगी आग की तपिश से श्री मोदी को कोई परेशानी न हो।

नरेंद्र मोदी सरकार अमीरों पर सुपर टैक्स लगाने के मुद्दे पर चुप क्यों

नित्य चक्रवर्ती

नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दूसरे बजट को संसद में पेश किये जाने में दो महीने से भी कम समय बचे हैं। वित्त वर्ष 2025–26 के इस केन्द्रीय बजट को अगले साल फरवरी में संसद में पेश किया जाना है। वित्त मंत्रालय में बजट की कवायद जारी है और विकास व्यय को पूरा करने के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था की दो प्रमुख चुनौतियों में बड़े पैमाने पर नौकरियों का सृजन और निचले स्तर के लोगों की आय में सुधार शामिल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे बेरोजगारों, खासकर महिलाओं और शिक्षित युवाओं के लिये नयी नौकरियों के सृजन के कार्यक्रमों के वित्तपोषण के लिए सुपर अमीरों से अतिरिक्त संसाधन जुटायें। मुकेश अंबानी परिवार और कुछ अन्य व्यवसायियों और फिल्मी सितारों के परिवारों में हाल ही में हुई शादी की धूमधाम ने दिखाया है कि एक सुपर अमीर व्यक्ति अपने बेटे या बेटी की शादी के लिए किस हद तक धन खर्च कर सकता है। भारत में सुपर अमीरों का एक ट्रिलियन डॉलर का विवाह उद्योग है। इनमें उद्योगपति, खिलाड़ी, फिल्मी हस्तियां और उच्च पदस्थ राजनेता शामिल हैं। उनकी शादी के खर्चों की जांच की जानी चाहिए और एक सीमा से अधिक कर लगाया जाना चाहिए। एक अनुमान के अनुसार, भारत में 170 से अधिक डॉलर–अरबपति हैं और यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। दो प्रतिशत कर से 1.5 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। यह राशि श्रम प्रधान परियोजनाओं में रोजगार सृजन सहित विकास कार्यकझ्मों पर खर्च की जा सकती है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ प्रणब बर्धन द्वारा किये गये विश्लेषण के अनुसार, सरकार द्वारा संपन्न लोगों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सब्सिडी को कम करके अतिरिक्त संसाधन उत्पन्न किये जा सकते हैं। भारत में, विरासत और संपत्ति कर शून्य है और पूंजीगत लाभ कर संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में बहुत कम है। कर प्रणाली अभी भी अमीरों के पक्ष में झुकी हुई है। उदाहरण के लिए, महामारी के संदर्भ में मोदी सरकार ने एक ही झटके में कॉर्पोरेट टैक्स की दर कम कर दी और सरकारी खजाने को 18.4 खरब रुपये का नुकसान हुआ। डॉ. बर्धन का अनुमान है कि 10 खरब रुपये के फंड से भारत में 200 लाख नौकरियां पैदा की जा सकती हैं। भारत के लिए, सुपर रिच पर विशेष कर लगाना बहुत समय से लंबित है। इस साल जनवरी में जारी नवीनतम ऑक्सफैम रिपोर्ट सहित सभी हालिया रपटों से पता चलता है कि असमानता लगातार बढ़ रही है। महामारी और महामारी के बाद के वर्षों में, बिना किसी सामाजिक सुरक्षा के गरीब लोगों की जीवन स्थिति दयनीय है, जबकि उच्च मध्यम वर्ग और अमीरों की आय में वृद्धि हुई है। असमानता के बढ़ने का भारत में विशेष प्रभाव पड़ता है क्योंकि आम नागरिकों को पश्चिम और लैटिन अमेरिका के कई अन्य देशों और अन्य विकासशील देशों की तरह सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से संरक्षित नहीं किया जाता है। ऑक्सफैम रिपोर्ट के अनुसार, भारत केवल पांच हाथों में बढ़ते औद्योगिक संकेन्द्रण का सामना कर रहा है, और अरबपतियों, निजी इक्विटी फंडों और मित्र पूंजीपतियों को समृद्ध कर रहा है, जिससे लोगों के बीच असमानता और गरीबी का अभूतपूर्व स्तर बढ़ रहा है। दलितों को निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उच्च और असहनीय आउट–ऑफ–पॉकेट शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में वित्तीय बहिष्कार और दोनों में खुला भेदभाव। कई वर्षों से ऑक्सफैम ने बढ़ती और अत्यधिक असमानता के बारे में चिंता जतायी है। 2024 में, सबसे बड़ा खतरा यह है कि ये असाधारण चरम सीमाएं नयी सामान्य स्थिति बन जायेंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कॉर्पोरेट और एकाधिकार शक्ति एक निरंतर असमानता पैदा करने वाली मशीन है, साथ ही यह भी कहा गया है कि हम एक दशक के विभाजन की शुरुआत के दौर से गुजर रहे हैंरू सिर्फ तीन वर्षों में, हमने एक वैश्विक महामारी, युद्ध, जीवन–यापन की लागत का संकट और जलवायु परिवर्तन का अनुभव किया है। प्रत्येक संकट ने खाई को चौड़ा किया है – अमीरों और गरीबी में रहने वाले लोगों के बीच ही नहीं, बल्कि कुलीनतंत्र और विशाल बहुमत के बीच भी। सुपर रिच पर कर लगाने के बारे में जी–20 शिखर सम्मेलन की ऐतिहासिक घोषणा निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रगतिशील कराधान की वैश्विक खोज में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कर सहयोग पर एक नया संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन नियम आधारित प्रणाली को तैयार करने के लिए आयोजित किया जा रहा है जो विकासशील देशों, विशेष रूप से अफ्रीकी देशों के लिए बहुत फायदेमंद होगा। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के नेतृत्व में जी–20 की अध्यक्षता की मजबूत स्थिति ने नवंबर के शिखर सम्मेलन में अमीर देशों को समावेशी विकास को बढ़ावा देने और अफ्रीकी देशों को अधिक संसाधनों के हस्तांतरण के लिए प्रभावी रूप से प्रतिबद्ध होने के लिए मजबूर किया। नवंबर शिखर सम्मेलन में, जी–20 राष्ट्रों ने यह सुनिश्चित करने के लिए सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की कि सुपर–रिच पर कर लगाया जाये। जी–7 ने भी कम से कम इस बात पर सहमति व्यक्त की कि सुपर–रिच पर कम कर लगाना एक समस्या है जिसे ठीक किया जाना चाहिए। यूनाईटेड किंगडम सरकार ने एक बजट पेश किया जिसमें करोड़पतियों और निगमों पर उचित कर लगाना शामिल है, और फ्रांस की रूढ़िवादी सरकार ने शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए योगदान करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। संयुक्त राज्य अमेरिका में, राष्ट्रपति चुने गए डोनाल्ड ट्रम्प सुपर रिच पर कर लगाने के पक्ष में नहीं हैं, बल्कि वे वास्तव में अपनी मेगा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) नीति के एक हिस्से के रूप में कर कटौती की वकालत कर रहे हैं। लेकिन आर्थिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहा जर्मनी अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रीय चुनावों के बाद नये गठबंधन के सत्ता में आने के बाद इस मुद्दे पर फैसला ले सकता है। भारत अब राजनीतिक रूप से स्थिर है और दुनिया के अन्य देशों की तुलना में विकास दर आरामदायक है। लेकिन असली समस्या असमानता का बढ़ना और भारी बेरोजगारी है। मोदी सरकार का बेरोजगारी पैदा करने वाला विकास मॉडल अपने तीसरे कार्यकाल में भी जारी है। मोदी सरकार के पास इस बार 2025–26 के बजट प्रस्तावों में सुपर अमीरों पर कर लगाकर भारी संसाधन जुटाने और उन अतिरिक्त निधियों को रोजगार सृजन और वंचितों की आय में सुधार के लिए सुनियोजित करने का एक बड़ा अवसर है। 2025–26 के बजट में इस कर को लागू करने की मांग में इंडिया ब्लॉक पार्टियों को भी समान रूप से मुखर होना चाहिए। एक बार में भारी मात्रा में अतिरिक्त संसाधन जुटाने का यही एकमात्र तरीका है।

पैसे के लिए टीवी पर रचा स्वयंवर, दो शादियां और तलाक, गिरफ्तारी के डर से अब दुबई में रह रही है राखी सावंत

टीवी इंडस्ट्री की 'ड्रामा क्वीन' कही जाने वाली राखी सावंत की निजी जिंदगी एक खुली किताब की तरह है। उनकी जिंदगी में जो भी विवाद हुए वो छुपे नहीं हैं। कई बार वह खुद इसकी जिम्मेदारी ले चुकी हैं और इसे स्वीकार भी कर चुकी हैं।

राखी सावंत की दो बार शादी हो चुकी है–

रितेश सिंहः 2019 में शादी और 2022 में तलाक

आदिल खान दुर्रानीः 2022 में शादी

इलेश परुजनवालाः 2009 में राखी का स्वयंवर शो में चुने गए

दो बार शादी की, धर्म परिवर्तन किया, तलाक लिया, अब दुबई में है

राखी सावंत ने अपने जीवन में पहली बार रितेश सिंह से शादी की। ये उनकी सीक्रेट शादी थी। दोनों को शबिग बॉसश में साथ देखा गया था। शो छोड़ने के कुछ समय बाद ही उन्होंने आधिकारिक तौर पर तलाक ले लिया। इसके बाद उनकी दूसरी शादी आदिल खान दुर्रानी से हुई। उसने उससे शादी की और इस्लाम कबूल कर लिया। उसने अपना नाम फातिमा रखा। लेकिन उनके रिश्ते भी इस हद तक खराब हो गए कि आज वह कोर्ट के समन और गिरफ्तारी के डर से दुबई में छुपी हुई हैं।

15 साल पहले

राखी सावंत ने 2009 में अपनी शादी के लिए स्वयंवर की मेजबानी भी की थी। जिसमें उन्होंने कई लड़कों को चुना लेकिन अंत में जैमा ने कनाडाई बिजनेसमैन इलेश पारुजनवाला को चुना। हालाँकि, इससे भी बात नहीं बनी और बाद में वे अलग हो गए।

इलेश को बलि का बकरा बनाया गया

इलेश से रिश्ता तब टूटा जब राखी ने उन्हें शफिरंगीश और श्असभ्य आदमीश कहा। इलेस ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह बलि का बकरा बन गए हैं। उन्होंने इस रिश्ते में अपना सब कुछ निवेश कर दिया। राखी सावंत और इलेश की सगाई भी हो चुकी थी। एक्ट्रेस ने कहा था कि उन्होंने पैसों के लिए शादी की है. क्योंकि वह एक फ्लैट खरीदना चाहती थी। राखी का कहना है कि वह किसी से शादी नहीं करना चाहतीं। क्योंकि वह तलाक नहीं चाहती थी।

राखी सावंत ने कहा था कि वह किसी ऐसे व्यक्ति से शादी नहीं करना चाहतीं जो युवा हो और संघर्ष कर रहा हो। वह एक अमीर व्यक्ति की तलाश में है। ताकि वह एक्ट्रेस की जरूरतों को पूरा कर सकें। वहीं, इल्स ने राखी को समझने की काफी कोशिश की थी लेकिन कहा कि वह असफल रहे। साथ ही उसके अतीत को भी जानने की कोशिश की।

डीपनेक टॉप में छलका हीरामंडी की वहीदा का हुस्न, संजीदा शेख की तस्वीरों से नजरे हटाना मुश्किल

हीरामंडी एक्ट्रेस संजीदा शेख सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में संजीदा शेख ने जबरदस्त फोटोशूट करवाया जिसकी तस्वीरें इस समय इंटरनेट पर छाईं हुईं हैं। सामने आईं तस्वीरों में संजीदा रेड कलर का डीपनेक और स्लीव्लेस टॉप पहने नजर आ रही हैं। इस टॉप के साथ उन्होंने मल्टीकलर प्रिंटेड स्कर्ट पेयर की है। कानों में मैचिंग स्टड्स और खुले बालों के साथ संजीदा ने अपना लुक कंपलीट किया है। बेड पर लेटे, टेलीफोन कान में लगाए एक्ट्रेस ने एक से बढ़कर एक पोज दिए हैं। एक तस्वीर में संजीदा शेख चाय के कप के साथ भी पोज देती दिखीं। ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गई हैं। काम की बात करें तो संजीदा शेख ने क्या होगा निम्मो का, कयामत और इश्क का रंग सफेद जैसे कई टीवी सीरियल्स में काम किया है। इसके अलावा संजीदा मशहूर फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म श्हीरामंडीश में नजर आ चुकी हैं।

एक हाथ में यूरिन बैग, दूसरे में ब्लड बैग.. ब्रेस्ट कैंसर की बेड़ियों को तोड़ आगे निकलने की कोशिश में हिना खान

.हिना खान इस समय अपने जीवन से सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। हिना ब्रेस्ट कैंसर के तीसरे स्टेज से पीड़ित हैं। ऐसे में हिना अपने दुख उदासी और बिखरती जिंदगी के हर पल को दोनों हाथों से पल–पल समेटने की कोशिश भी लगातार रोज कर रही हैं। वहीं हिना जिस तरह इस समय अपनी जिंदगी जी रही हैं वो उन लोगों के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं जो अंधेरे में भी जिंदगी की तरफ एक रोशनी की तरह नजर आ रहे हैं।हाल

ही में हिना ने हॉस्पिटल से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों को देख फैंस काफी भावुक हो रहे हैं। ये तस्वीर उस हॉस्पिटल कॉरिडोर की है, जहां उनका इलाज चल रहा है। बैक से ली गई तस्वीर में हिना खान का चेहरा नहीं दिख रहा लेकिन उनके अंदर चल रहे बहुत सारे इमोशंस साफ नजर आ रहे हैं। हिना के एक हाथ में यूरिन बैग नजर आ रहा है। वहीं दूसरे हाथ में खून और प्लेटलेस्ट की थैली है। हिना खान इन सभी चीजों को हाथ में थामे आगे चलती हुई नजर आ रही हैं। इस पोस्ट को कैप्शन देते हुए हिना खान ने लिखा–एक रोशनी की तरफ आगे बढ़ रही हूं... हीलिंग के इन कॉरिडोर से गुजरते हुए...एक समय में एक कदम। इसी पोस्ट में उन्होंने एक शब्द दुआ भी लिखा है और यकीनन उन्हें चाहने वाले उनके लिए खूब दुआएं। एक्ट्रेस की इस पोस्ट को देखकर लगता है कि यह सर्जरी के बाद की तस्वीर है।

साउथ अभिनेता मंसूर अली खान का बेटा ड्रग तस्करी मामले में गिरफ्तार

कॉलीवुड अभिनेता मंसूर अली खान के बेटे अली खान तुगलक को ड्रग्स रखने और बेचने के आरोप में नौ अन्य लोगों के साथ पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। अली खान तुगलक की गिरफ्तारी ड्रग तस्करी मामले में तिरुमंगलम पुलिस द्वारा गहन जांच के बाद की गई। पुलिस ने तुगलक के ड्रग व्यापार में शामिल व्यक्तियों से जुड़े होने की खुफिया जानकारी

मिलने के बाद जांच शुरू की थी। इन लोगों में से कई को हाल ही में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने इससे पहले ड्रग तस्करी नेटवर्क के सिलसिले में कॉलेज के छात्रों समेत 10 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था। तुगलक को सैयद साकी, मोहम्मद रियास अली और फैसल अहमद के साथ गिरफ्तार किया गया और आगे की पूछताछ के लिए चारों को पुलिस हिरासत में रखा गया। तमिलनाडु में अंतर्राष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के कई मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की श्रीलंका, मलेशिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में तस्करी की जाती है। इन देशों में इसकी बहुत मांग है। स्थानीय पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने ड्रग तस्करी के लिए ट्रांजिट के रूप में तमिलनाडु के इस्तेमाल को लेकर अलर्ट के बाद सक्रियता बढ़ा दी है।

अक्किनेनी परिवार की बहू बनते ही शोभिता की आंखों से छलक पड़े आंसू, मंगलूसत्र पहनाते हुए नागा भी हो गए भावुक

साउथ स्टार नागा चौतन्य आखिरकार दूसरी बार शादी के बंधन में बंध गए हैं। 4 दिसंबर को एक्टर ने काफी समय तक शोभिता धुलिपाला को डेट करने के बाद शादी रचा ली और एक दूजे संग जीने–मरने की कसमें खाई। अब सोशल मीडिया पर कपल की शादी की तस्वीरें और वीडियोज खूब वायरल हो रहे हैं। इसी बीच दूल्हा–दुल्हन का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों शादी की रस्मों के दौरान इमोशनल होते दिख रहे हैं। कपल के इस वीडियो को फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि नागा चौतन्य एक रस्म में शोभिता को मंगलसूत्र पहनाते नजर आ रहे हैं, जिसके बाद एक्ट्रेस के आंसू छलक पड़ते हैं। वहीं, इस दौरान चौतन्य भी थोड़े इमोशनल हो जाते हैं। फैंस कपल के इस वीडियो को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। बुधवार को शादी के बाद साउथ सिनेमा के मेगास्टार नागार्जुन ने नागा चौतन्य और शोभिता धुलिपाला की शादी की तस्वीरें अपने एक्स हैंडल पर शेयर कर दोनों को शादी की बधाई दी थी। उन्होंने तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, शोभिता और चाय को साथ में इस नए और खूबसूरत सफर की शुरुआत करते देखना मेरे लिए बेहद खास और भावुक पल है. मेरी प्यारे चाय को शुभकामनाएं और शोभिता, हमारे परिवार में आपका दिल से स्वागत है।

क्या आपको फिल्म सूर्यवंशम की गौरी याद है? असल जिंदगी में एक्ट्रेस की दो शादियां टूटीं, एक्टिंग भी छोड़ी

1999 में फिल्म 'सूर्यवंशम' रिलीज हुई थी, जिसका निर्देशन ईवीवी सत्यनारायण ने किया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन का डबल रोल था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। आज भी यह फिल्म टीवी पर इतनी बार दिखाई जाती है कि लोगों को हर सीन, यहां तक कि डायलॉग भी याद रहते हैं। लेकिन क्या आप इसमें गौरी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस को जानते हैं? गौरी ने फिल्म में अमिताभ बच्चन को रिजेक्ट किया था।

गौरी का असली नाम

'सूर्यवंशम' में गौरी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस का नाम रचना बनर्जी है। उन्होंने बंगाली और उड़िया फिल्मों में काम किया है। वह कुछ तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में भी दिखाई दी हैं। इंडस्ट्री में आने के बाद रचना बनर्जी ने अपना नाम बदल लिया। उन्होंने प्रोसेनजीत चटर्जी और चिरंजीवी के साथ भी स्क्रीन शेयर की है। रचना बनर्जी ने 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा था। वह ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी से खड़ी हुईं और हुगली सीट से बीजेपी उम्मीदवार लॉकेट चटर्जी को हराया. रचना बनर्जी ने अपने करियर में 30 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। हालांकि, उनका फिल्मी करियर कुछ खास नहीं चल सका और आज वह इंडस्ट्री छोड़ चुकी हैं। रचना बनर्जी की शादी उनके सह–कलाकार सिद्धांत महापात्र से हुई थी लेकिन 2004 में उनका तलाक हो गया। इसके बाद उन्होंने 2007 में प्रबल बसु से शादी की लेकिन 2016 में उनसे अलग हो गईं। अब उनका एक बेटा है।

जानिए 2025 में कब मनाई जाएगी मकर संक्रांति, इस दिन स्नान और दान करने से मिलता है 100 गुना फल

मकर संक्रांति हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो सूर्य के धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इसे ज्योतिषीय दृष्टि से भी खास माना जाता है, क्योंकि इस दिन से सूर्य उत्तरायण होता है और दिन बड़े होने लगते हैं। मकर संक्रांति को विभिन्न नामों से देश के अलग–अलग हिस्सों में मनाया जाता है, जैसे लोहड़ी, पोंगल, भोगी, आदि। चलिए जानते हैं अगले वर्ष कब है मकर संक्रांति।

इस दिन मनाई जाएगी मकर संक्रांति

हिंदू कैलेंडर के अनुसार वर्ष 2025 में सूर्य देव मकर राशि में 14 जनवरी मंगलवार को प्रवेश करेंगे। भगवान सूर्य सुबह के समय 9 बजकर 3 मिनट पर मकर राशि में गोचर करेंगे, यह समय मकर संक्रांति क्षण होगा। सूर्य गोचर होने के कारण मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाएगी। इस दिन पुण्य काल की कुल अवधि 8 घंटे 42 मिनट की है। पुण्य काल सुबह 9 बजकर 3 मिनट से शाम 5 बजकर 46 मिनट तक रहेगी। इस दिन सुबह 9 बजकर 3 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 48 मिनट तक महा पुण्य काल रहेगा।

मकर संक्रांति का महत्व

इस दिन गंगा स्नान और दान–पुण्य को बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि मकर संक्रांति पर स्नान करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। भगवान सूर्य की पूजा और खिचड़ी, तिल–गुड़, कपड़े, अन्न का दान पुण्यकारी होता है। यह फसलों की कटाई का पर्व है और इसे किसानों के लिए नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। यह दिन उत्सव, खुशी और भाईचारे का प्रतीक है।

मकर संक्रांति पर स्नान करने के लाभ

मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदियों (जैसे गंगा, यमुना, गोदावरी) में स्नान करने से मन और आत्मा शुद्ध होती है। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ठंडे पानी में स्नान करने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह रक्तसंचार को बेहतर करता है और मानसिक शांति प्रदान करता है। स्नान के बाद दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और कुंडली में ग्रह दोष दूर होते हैं।

सूर्य भगवान को जल अर्पित करने से सुख–समृद्धि और स्वास्थ्य में सुधार होता है।

स्नान और दान के नियम

–सुबह जल्दी उठकर स्नान करें।

–पवित्र नदियों या घर पर गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

–स्नान के बाद तिल, गुड़, कपड़े, अन्न का दान करें।

–सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करें।

मकर संक्रांति पर किया गया स्नान और दान सौ गुना फलदायक होता है।

सर्दियों में रोजाना खाली पेट पिएं यह ड्रिंक, इम्यूनिटी से लेकर स्किन तक होगा फायदा!

अदरक और हल्दी को आयुर्वेद में सुपरफूड माना गया है। इन दोनों में कई पोषक तत्व और औषधीय गुण होते हैं, जो न केवल सर्दी–खांसी जैसी आम समस्याओं से बचाते हैं, बल्कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करते हैं। सर्दियों में, इनका सेवन करने से आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। आइए जानते हैं अदरक और हल्दी से बने शॉट्स के फायदे और इसे बनाने का तरीका।

अदरक–हल्दी शॉट्स पीने के फायदे

पाचन में सुधार

अदरक और हल्दी दोनों ही पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में बहुत मददगार हैं। अदरक का सेवन आंतों में गैस और सूजन को कम करता है, जिससे आपका पेट हल्का और आरामदायक महसूस करता है। हल्दी में मौजूद कर्क्यूमिन, एक ऐसा सक्रिय तत्व है जो भोजन को पचाने में मदद करता है और पाचन प्रक्रिया को सुचारू बनाता है। इसके नियमित सेवन से अपच, एसिडिटी और पेट दर्द जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। इन दोनों में एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखते हैं। यह आपके पेट की कार्यक्षमता को बढ़ाकर मेटाबॉलिज्म को भी सुधारते हैं।

सूजन कम करता है

अदरक और हल्दी में एंटी–इंफ्लामेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन और जलन को कम करने में सहायक हैं। अगर आप पुरानी सूजन, गठिया या जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, तो अदरक और हल्दी के शॉट्स इसका बेहतरीन समाधान हो सकते हैं। हल्दी का कर्क्यूमिन सूजन के लिए जिम्मेदार कोशिकाओं को शांत करता है और अदरक में मौजूद जिंजरोल हड्डियों और मांसपेशियों में सूजन को कम करता है। इसका सेवन करने से जोड़ों की गतिशीलता में सुधार होता है और आपको लंबे समय तक दर्द से राहत मिलती है।

इम्यूनिटी बढ़ाए

सर्दी–जुकाम और फ्लू जैसी समस्याओं से बचने के लिए अदरक और हल्दी का शॉट एक नेचुरल इम्यूनिटी बूस्टर है। हल्दी और अदरक में मौजूद एंटीवायरल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट्स गुण शरीर को बैक्टीरिया और वायरस से बचाने में मदद करते हैं। यह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को इतना मजबूत बनाता है कि आपका शरीर संक्रमणों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। रोजाना इसका सेवन सर्दियों में विशेष रूप से लाभकारी होता है, क्योंकि यह गले की खराश, खांसी और जुकाम जैसी आम समस्याओं को रोकने में मदद करता है।

हृदय को स्वस्थ बनाए

हल्दी और अदरक के नियमित सेवन से दिल की सेहत को बेहतर बनाया जा सकता है। अदरक ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे दिल पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव कम होता है। हल्दी और अदरक दोनों कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने का काम करते हैं, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। यह धमनियों में जमने वाले प्लाक को भी रोकता है और रक्त प्रवाह को सुचारू बनाता है। इनके सेवन से दिल की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और संपूर्ण कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम को बेहतर तरीके से कार्य करने में मदद मिलती है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

अदरक और हल्दी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स न केवल आपकी त्वचा को भीतर से स्वस्थ बनाते हैं, बल्कि उसे चमकदार और जवां भी बनाए रखते हैं। यह त्वचा के दाग–धब्बे, झुर्रियां और फाइन लाइन्स को कम करने में मदद करते हैं। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण भी होते हैं, जो त्वचा पर होने वाले संक्रमण और फंगल समस्याओं को दूर करते हैं। अदरक स्किन टोन को सुधारता है और डलनेस को कम करता है। अगर आप मुंहासों या दाग–धब्बों से परेशान हैं, तो यह ड्रिंक आपकी स्किन को डीटॉक्स करने और ग्लोइंग बनाने का काम करता है।

अदरक और हल्दी का शॉट कैसे बनाएं?

इस हेल्दी शॉट को बनाना बेहद आसान है और इसे आप कुछ ही मिनटों में तैयार कर सकते हैं।

सामग्री तैयार करें

1 बड़ा चम्मच कटा हुआ अदरक

1 बड़ा चम्मच ताजा कटी हुई हल्दी या 1 चम्मच हल्दी पाउडर

2 कप पानी

स्वादानुसार शहद और नींबू का रस

बनाने की विधि

अदरक और हल्दी को अच्छी तरह धोकर छोटे टुकड़ों में काट लें। एक पैन में 2 कप पानी लें और उसमें अदरक और हल्दी डालें। इसे धीमी आंच पर 10–15 मिनट तक उबालें। मिश्रण को ठंडा होने दें, फिर इसे छानकर एक साफ बोतल में स्टोर करें। स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें शहद और नींबू का रस मिला सकते हैं।

कैसे करें सेवन?

रोजाना सुबह खाली पेट इस शॉट का सेवन करें। इसे फ्रिज में स्टोर करें और 3–4 दिनों तक इस्तेमाल करें। इस हेल्दी ड्रिंक को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और इसके अद्भुत फायदों का आनंद लें।

सामग्री

1 बड़ा चम्मच कटी हुई अदरक

1 बड़ा चम्मच ताजा कटी हुई हल्दी (या 1 चम्मच हल्दी पाउडर)

2 कप पानी

स्वादानुसार शहद (ऑप्शनल)

नींबू का रस (ऑप्शनल)

विधि

अदरक और हल्दी को धोकर छोटे टुकड़ों में काट लें। एक पैन में 2 कप पानी लें और उसमें अदरक और हल्दी डालें। इसे 10–15 मिनट तक धीमी आंच पर उबालें। उबालने के बाद इसे ठंडा करें और छान लें। शॉट्स में थोड़ी मिठास के लिए शहद और स्वाद के लिए नींबू का रस मिला सकते हैं।

कैसे करें सेवन?

इस ड्रिंक को रोजाना सुबह खाली पेट पिएं। आप इसे एक बार में बनाकर फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं और 3–4 दिनों तक उपयोग कर सकते हैं।

अदरक और हल्दी का शॉट न केवल आपके शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाता है, बल्कि सर्दियों में आपको बीमारियों से भी बचाता है। यह एक नेचुरल ड्रिंक है, जिसके कोई साइड इफेक्ट नहीं हैं। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और बेहतर स्वास्थ्य का आनंद लें।

लगातार सोते-उठते हाथ-पैर सो रहे हैं सुन्न तो इग्नोर ना करें, पीछे सो सकते हैं 3 बड़े कारण

सर्दी आते ही बहुत से लोगों के हाथ–पैर सुन्न होने शुरू हो जाते हैं जिसे अक्सर ही आम सी समस्या समझ लिया जाता है, वैसे कभी–कभार ऐसा हो तो घबराने वाली कोई बात नहीं है लेकिन अगर यह समस्या बार–बार हो रही तो इस ओर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि सर्दी में हाथ–पैर सुन्न होने का सबसे बड़ा कारण ब्लड वेसल्स यानि रक्त वाहिनियों का संकुचित होना है क्योंकि सर्दी में दिल पर जोर पड़ता है जिससे रक्त वाहिनियां संकुचित होने लगती है और बॉडी के सभी अंगों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है जब अंगों तक ब्लड सर्कुलेशन सहीं से नहीं होता तो बॉडी पार्ट्स सुन्न होने लगते हैं। अगर ये सुन्न पन ठंड के चलते होता है तो आपको कुछ उपाय बताते हैं जिससे आपकी ये समस्या तुरंत दूर हो जाएगी लेकिन अंगों के सुन्नपन होने की वजह एनीमिया यानि खून की कमी, नसों में ब्लाकेज भी हो सकता है। अगर ऐसा है तो ध्यान देने की जरूरत रहती है। वहीं उम्रदराज लोगों को भी यह समस्या आम ही रहती है क्योंकि उनके शरीर में रक्त संचार सही से नहीं हो पाता।

हाथ पैर सुन्न होने का कारण क्या है?

खून की कमी (एनीमिया)

अगर शरीर में खून की कमी है तो उससे भी हाथ–पैर सुन्न होने की दिक्कत हो सकती हैं। खून का दौरा होने पर सारे अंग एक्टिव रहते हैं लेकिन जब खून की कमी होती है तो ब्लड सर्कुलेशन में भी दिक्कत आती है जिससे अंग सुन्न होने लगते हैं।

नसों में दवाब के चलते सुन्न होना

सोते समय नसें दबने से भी हाथ–पैर सुन्न हो सकते हैं। कुछ लोगों के हाथ सोते समय सो जाते हैं जिसे हाथ पर गुदगुदी और चींटियां काटना भी कह देते हैं। गर्दन या रीढ़ की नसों पर दबाव पड़ने से भी यह समस्या हो सकती है। गठिया, चोट या लंबे समय तक गलत पोजीशन में बैठने के कारण भी नसों पर दबाव बढ़ता है जिससे अंग खासकर हाथ पैर सुन्न होने लगते हैं। अगर समस्या लगातार बनी रहती है, तो डॉक्टर से सलाह लें।

विटामिन बी की कमी

शरीर में विटामिन बी की कमी से सुन्नता या झुनझुनी हो सकती है। विटामिन बी की कमी को पूरा करने के लिए, अपनी डाइट में केले, पालक, मछली, डेयरी उत्पाद, और अंकुरित अनाज शामिल करें।

डायबिटीज

डायबिटीज से पीड़ित लोगों में अक्सर हाथ–पैरों में सुन्नता और झुनझुनी की समस्या होती है। अगर ये डायबिटीज के चलते हो तो डाक्टरी सलाह जरूर लेते रहना चाहिए।

कार्पल टनल सिंड्रोम

यह सिंड्रोम उन लोगों में आम है जो लंबे समय तक की–बोर्ड पर टाइप करते हैं या किसी मशीन पर काम करते हैं। उन्हें हाथ–पैर सुन्न होने की दिक्कत रहती है।

दवाओं के साइड इफेक्ट्स

हाथ पैर सुन्न होने की वजह किसी दवाई का साइड इफेक्ट भी हो सकता है। इसे कम करने के लिए डॉक्टरी मदद लें क्योंकि ज्यादातर मामलों में, दवा बंद करने या कम करने से सुन्नता कम करने में मदद मिल सकती है।

ऑटोइम्यून डिजीज

ल्यूपस और गठिया रोगियों में भी हाथ–पैर सुन्न होने की समस्या देखी जाती है।

शराब और धूम्रपान

जो लोग बहुत अधिक एल्कोहल और ध्रूमपान का सेवन करते हैं उनकी नसों को भी नुकसान पहुंच सकता है और पैर और हाथ सुन्न रह सकते हैं।

हाथ पैर सुन्न होने का घरेलू इलाज

अगर हाथ पैर सर्दी में ब्लड फ्लो कम होने के चलते हो रहे हैं तो कुछ घरेलू नुस्खे सबसे फायदेमंद है और इसका आपके शरीर को किसी तरह का नुकसान नहीं है।

हाथों–पैरों की गर्म तेल से मसाज

सुन्नपन को दूर करने का बेस्ट तरीका मालिश है। इससे ब्लड सर्कुलेशन सही हो जाती है। जैतून, नारियल, तिल या सरसों का तेल, इसमें से आप कोई भी तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। बस इसे हल्का गर्म करें और फिर अच्छे से हाथ पैर व शरीर के जरूरी अंगों की मसाज करें, जहां आपको सुन्नपन महसूस होता है। तिल के तेल को गर्म ना करें।

गर्म पानी से सिंकाई

ब्लड सर्कुलेशन सही करने के लिए गर्म पानी की सिंकाई भी बेस्ट है। इससे मांसपेशियों और नसों को आराम मिलता है। आप गर्म पानी बोतल या फिर हीट बैग का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

डाइट में विटामिन जरूर लें

आपकी डाइट का भी इसमें अहम रोल हैं। विटामिन बी, बी6 और बी12 लें। दूध,पनीर दही मेवा केला बींस ओटमील आदि लें। आप डाक्टरी सलाह से कोई सप्लीमेंट भी शुरू कर सकते हैं।

हल्दी वाला दूध

सर्दी के मौसम में हल्दी वाला दूध जरूर लें। हल्दी, ब्लड सर्कुलेशन को सही रखने में बेहद मददगार होती है और साथ ही शरीर में दर्द और सूजन से भी आराम मिलता है। इसलिए सब्जी के रूप में या दूध में डालकर इसका सेवन जरूर करें।

एक्सरसाइज बहुत जरूरी

फिजिकल एक्टिविटी बहुत जरूरी है। सर्दी में लोग एक्सरसाइज कम करते हैं लेकिन ब्लड सर्कुलेशन सही करने के लिए हलकी फुल्की एक्सरसाइज, सैर व योग करते रहें।

हाथ पैर सुन्न हो तो क्या खाना चाहिए?

हाथ–पैर सुन्न होने का एक कारण एनीमिया भी है। अगर शरीर में खून की कमी है तो भी हाथ पैरों में झुनझुनाहट रहती हैं इसलिए डाइट में आयरन कैल्शियम भरपूर लें। खून बनाने वाले आहार जैसे गाजर सेब, अनार, चकुंदर खाएं। सुखे मेवे में अंजीर, बादाम, अखरोट, किशमिश खाएं।

एंटी इन्फ्लामेट्री गुणों से भरपूर शहद भी ब्लड फ्लो को ठीक करने में मदद करता है। 1 चम्मच दालचीनी पाउडर में 1 चम्मच शहद मिलाएं। इसे खाने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन अच्छी तरह होगा। नियमित रूप से हल्दी वाला दूध, दालचीनी की चाय पीने से भी धीरे–धीरे सुन्नपन की समस्या खत्म हो सकती है।

धूम्रपान करने से पेरिफेरल आर्टरी डिसीज होता है जिससे पैरों में सही से ब्लड सर्कुलेशन सही से हो नहीं पाता। नसों में ब्लॉकेज आने लगती हैं। नस ब्लॉकेज होने पर भी हाथ–पैर सुन्न होने लगते हैं इसलिए धूम्रपान से दूर रहें। लहसुन–अदरक का सेवन अधिक करें इससे नसों की अंदरूनी सफाई होती रहती है। गर्म पानी, ग्रीन टी, तुलसी–दालचीनी का काढ़ा आदि पीएं। इससे भी नसों की सफाई होती रहती हैं और अंदरूनी गर्माहट बनी रहती हैं। नसों में ब्लॉकेज की समस्या है तो लहसुन वाला दूध पीएं। दूध और लहसुन आपकी शरीर की सारी बंद नसें खूल देंगी। दर्द से राहत मिलेगी और गर्माहट भी। बस एक गिलास दूध में 3 लहसुन की कलियां उबालें और पी लें।

संक्षिप्त

जनवरी से पहले खरीद लें गाड़ी, इस कंपनी ने 2025 में अपनी कार कीमत में 25 हजार रुपये की बढ़ोतरी करने का किया फैसला

अगर आप ये सोच रहे हैं कि नए साल पर नई गाड़ी खरीद सकते हैं तो पहले सोच जरुर लें। हुंदै मोटर इंडिया ने एक बड़ा फैसला किया है। हुंदै मोटर ने फैसला किया है कि अगले साल से कंपनी अपने मॉडल की कीमत में बढ़ोतरी करने जा रही है। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने ये घोषणा की है। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड के अनुसार कंपनी आगामी एक जनवरी 2025 से अपने विभिन्न मॉडल के वाहनों की कीमतों में 25,000 रुपये तक इजाफा कर सकती है। इसकी घोषणा कंपनी ने बृहस्पतिवार को की है। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने बयान में कहा कि कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी, प्रतिकूल विनिमय दर और लॉजिस्टिक्स लागत में काफी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में मूल्य में भी इजाफा हो गया है। एचएमआईएल के पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने कहा, ''कच्चे माल की लागत में निरंतर वृद्धि के साथ अब इस लागत वृद्धि का कुछ हिस्सा मामूली मूल्य समायोजन के जरिये वहन करना अनिवार्य हो गया है।'' उन्होंने कहा कि यह मूल्य वृद्धि सभी मॉडलों पर लागू होगी और इसकी सीमा 25000 रुपये तक होगी। मूल्य वृद्धि का असर 2025 के सभी मॉडलों पर पड़ेगा। गर्ग ने कहा कि कंपनी ने हमेशा '' बढ़ती लागत को यथासंभव वहन करने का प्रयास किया है, ताकि हमारे ग्राहकों पर इसका सबसे कम प्रभाव पड़े।'' वर्तमान में एचएमआईएल की विभिन्न वाहन श्रृंखला की कीमत 5.92 से 46.05 लाख रुपये के बीच है।

फ्लिपकार्ट के स्वामित्व वाली मिंत्रा ने भी क्विक कॉमर्स में रखा कदम, अब M Now के साथ मिलेगी 30 मिनट की डिलीवरी

फैशन और लाइफस्टाइल से संबंधित प्रोडक्ट ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म मिंत्रा ने नई सर्विस को लॉन्च किया है। ये नई सर्विस एम नाई के नाम के साथ लॉन्च की गई है। इस सर्विस के साथ ही कंपनी ने अपना क्विक कॉमर्स सर्विस को भी शुरू कर दिया है। फ्लिपकार्ट के स्वामित्व वाली ऑनलाइन फैशन रिटेलर मिंत्रा ने एम–नाउ लॉन्च की घोषणा के साथ ही खरीददारों को लगभग 30 मिनट में अपना ऑर्डर प्राप्त करने की सुविधा देती है। मिंत्रा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नंदिता सिन्हा के अनुसार इस समय बेंगलुरु में परिचालन कर रही एम–नाऊ आने वाले महीनों में देश भर के महानगरों और अन्य शहरों में विस्तार करने के लिए तैयार है। सिन्हा ने कहा, फैशन एक बेहद महत्वाकांक्षी श्रेणी है, जिसमें कई तरह के चयन करने होते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एम–नाऊ को ग्राहकों को सुविधा और चयन दोनों का विकल्प देने के लिए तैयार किया है। उन्होंने कहा, हम उपभोक्ता के जीवन से इस दुविधा को दूर करना चाहते थे। उन्होंने सेवा की रफ्तार और उत्पादों की विविधता पर ध्यान देने की बात कही। इससे मिंत्रा 'क्विक कॉमर्स' में प्रवेश करने वाले पहले फैशन और जीवनशैली केंद्रित ब्रांडों में से एक बन गया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एम–नाऊ 30 मिनट से भी कम समय में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू ब्रांडों को ग्राहकों तक पहुंचाएगा। ग्राहकों को एम–नाऊ पर वेरो मोडा, मैंगो, टॉमी हिलफिगर, लेवी, ओनली, ओलाप्लेक्स, डायसन, अरमानी एक्सचेंज, फॉसिल, कैसो, मोकोबारा, हुडा ब्यूटी, मैक, बॉबी ब्राउन और एस्टी लॉडर सहित कई वैश्विक ब्रांडों तक पहुंच मिलेगी। फैशन, सौंदर्य, एक्सेसरीज़ और घर में 10,000 से ज़्यादा स्टाइल के विस्तृत कलेक्शन में पहले से ही लागू, अपनी तरह की अनूठी त्वरित डिलीवरी सुविधा अगले 3–4 महीनों में 1 लाख से ज़्यादा स्टाइल तक पहुँचने की उम्मीद है। एम नाऊ के लॉन्च के साथ, मिंत्रा वैश्विक स्तर पर सबसे पहले वर्टिकल प्लेयर्स में से एक है, जिसने हाइपर स्पीड पर फैशन डिलीवर करना शुरू किया है।

डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट : आरबीआई ने खरीदा सर्वाधिक 27 टन सोना, कुल भंडार अब 882 टन

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने अक्तूबर, 2024 में दुनियाभर के अन्य केंद्रीय बैंकों की तुलना में सबसे ज्यादा 27 टन सोना खरीदा। इसके साथ ही, भारत का कुल स्वर्ण भंडार बढ़कर अब 882 टन पहुंच गया। इसमें से 510 टन सोना देश में ही मौजूदा है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में मुताबिक, अक्तूबर में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने कुल 60 टन सोना खरीदा। इस मामले में तुर्किये का केंद्रीय बैंक 17 टन के साथ आरबीआई के बाद दूसरे और पोलैंड 8 टन के साथ तीसरे स्थान पर रहा। खास बात है कि भारत, तुर्किये और पोलैंड के केंद्रीय बैंकों की कुल वैश्विक स्वर्ण खरीदारी में 60 फीसदी हिस्सेदारी रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन का केंद्रीय बैंक सोना खरीदने के मामले में चौथे और अजरबैजान पांचवें स्थान पर रहा। कजाखस्तान के केंद्रीय बैंक ने लगातार पांच महीनों तक बेचने के बाद अक्तूबर में पहली बार सोने की खरीदारी की।

स्वर्ण खरीद में उभरते देशों का दबदबा

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की मासिक रिपोर्ट पर आधारित डब्ल्यूजीसी के आंकड़ों के मुताबिक, उभरते देशों के केंद्रीय बैंकों ने स्वर्ण खरीद में दबदबा कायम रखा है। आरबीआई ने इस साल जनवरी से अक्तूबर तक कुल 77 टन सोने की खरीदारी की। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में पांच गुना अधिक है। इस दौरान तुर्किये ने अपने भंडार में 72 टन और पोलैंड ने 62 टन सोने की बढ़ोतरी की है।

चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल को अंतिम रूप दिया, 2027 तक सभी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए यही योजना

आईसीसी में अगले साल होने वाली चौंपियंस ट्रॉफी को हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करने को लेकर आम सहमति बन गई है जिससे भारत को अपने मैच दुबई में खेलने की अनुमति मिल जाएगी जबकि 2027 तक कई टीम वाली प्रतियोगिताओं में इसी तरह की व्यवस्था के लिए 'सैद्धांतिक रूप से' सहमति बन गई।

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में अगले साल होने वाली चौंपियंस ट्रॉफी को हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करने को लेकर आम सहमति बन गई है जिससे भारत को अपने मैच दुबई में खेलने की अनुमति मिल जाएगी जबकि 2027 तक कई टीम वाली प्रतियोगिताओं में इसी तरह की व्यवस्था के लिए 'सैद्धांतिक रूप से' सहमति बन गई। आईसीसी के एक शीर्ष सूत्र के अनुसार गुरुवार को दुबई में अपने मुख्यालय में वैश्विक संचालन संस्था के नए चेयरमैन जय शाह और पाकिस्तान सहित निदेशक मंडल के बीच एक अनौपचारिक बैठक के दौरान निर्णय को कमोबेश अंतिम रूप दिया गया। आईसीसी सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''सभी पक्षों ने सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की है कि 2025 चौंपियंस ट्रॉफी यूएई और पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी जबकि भारत अपने मैच दुबई में खेलेगा। यह सभी हितधारकों के लिए जीत की स्थिति है।'' चौंपियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी–मार्च में आयोजित की जाएगी। पाकिस्तान ने पिछले सप्ताह आईसीसी की पिछली बैठक में बहिष्कार की धमकी वापस लेते हुए हाइब्रिड मॉडल पर सहमति जताई थी और 2031 तक अपने लिए भी इसी तरह की व्यवस्था की मांग की थी। हालांकि आईसीसी ने 2027 तक अपनी सभी प्रतियोगिताओं के लिए हाइब्रिड मॉडल पर सहमति जताई है। इस अवधि के दौरान भारत अगले वर्ष अक्टूबर में महिला एकदिवसीय विश्व कप तथा श्रीलंका के साथ संयुक्त रूप से 2026 पुरुष टी20 विश्व कप की मेजबानी करेगा। अगर हाइब्रिड मॉडल लागू नहीं होता तब भी पाकिस्तान को 2026 में भारत की यात्रा करने के लिए बाध्य नहीं होना पड़ता। सूत्र ने कहा, ''2026 पुरुष टी20 विश्व कप के दौरान पाकिस्तान अपने मैच श्रीलंका में खेलेगा। चौंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल में आयोजन के कारण पीसीबी द्वारा मांगे गए मुआवजे पर अब भी विचार किया जा रहा है।'' इस व्यवस्था पर सहमति जताने का मतलब है कि भारतीय महिला टीम को पाकिस्तान के खिलाफ अपना लीग मैच खेलने के लिए तटस्थ स्थल की यात्रा करनी होगी यदि ऐसा कार्यक्रम के कारण आवश्यक हुआ तो। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने पिछली आईसीसी बैठक के बाद कहा था, ''क्रिकेट को जीतना चाहिए, यह सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन सभी के सम्मान के साथ। हम वही करेंगे जो क्रिकेट के लिए सबसे अच्छा होगा। हम जो भी फॉर्मूला अपनाएंगे, वह समान शर्तों पर होगा।'' नवीनतम घटनाक्रम चौंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को जारी करने का रास्ता साफ कर देगा जिसका प्रशंसकों और प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स को लंबे समय से इंतजार है। आईसीसी और प्रसारणकर्ता के बीच अनुबंध के अनुसार टूर्नामेंट की शुरुआत से कम से कम 90 दिन पहले कार्यक्रम घोषित होने की उम्मीद थी।

एडिलेड टेस्ट में जसप्रीत बुमराह ने अपने नाम की बड़ी उपलब्धि, 22 साल का सूखा किया खत्म

जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट करके बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पिंक बॉल टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को बुमराह ने ख्वाजा को रोहित शर्मा के हाथों स्लिप में कैच कराया। ये बुमराह का इस साल 11वें टेस्ट में 50वां टेस्ट विकेट था। 22 साल बाद किसी भारतीय तेज गेंदबाज ने ये कारनामा किया है।

एडिलेड, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे टेस्ट के पहले दिन जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट करके बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पिंक बॉल टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को बुमराह ने ख्वाजा को रोहित शर्मा के हाथों स्लिप में कैच कराया। ये बुमराह का इस साल 11वें टेस्ट में 50वां टेस्ट विकेट था। 22 साल बाद किसी भारतीय तेज गेंदबाज ने ये कारनामा किया है। भारतीय गेंदबाज से पहले केवल 2 गेंदबाजों ने ऐसा किया है। कुल 4 बार भारतीय तेज गेंदबाजों ने 1 साल में 50 से ज्यादा विकेट अपने नाम किए हैं। दिग्गज कपिल देव ने 2 और जहीर खान ने एक बार ऐसा किया है। कपिल देव ने 1983 में 75 और 1979 में 74 विकेट अपने नाम किए थे। जहीर खान ने 2002 में 51 विकेट झटके थे। वहीं खास बात ये है कि बुमराह ने ये उपलब्धि अपने जन्मदिन पर हासिल की। 6 दिसंबर 1993 को जन्में जसप्रीत बुमराह 31 साल के हो गए हैं। बुमराह ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में पर्थ में कप्तान के रूप में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। वहां उन्होंने 72 रन देकर 8 विकेट अपने नाम किए थे। जो किसी मेहमान तेज गेंदबाज कप्तान के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े हैं। बुमराह इस साल 19 मैचों में 65 विकेट लेकर सभी प्रारूपों की सूची में सबसे आगे हैं। टेस्ट वर्कलोड के अलावा बुमराह जून में भारत की टी20 वर्ल्ड कप जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। इस तेज गेंदबाज ने 8 मैचों में 15 विकेट चटकाए और टूर्नामेंट में विकेट लेने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। इससे पहले भारतीय टीम पहली पारी में 180 रन पर आउट हो गए।

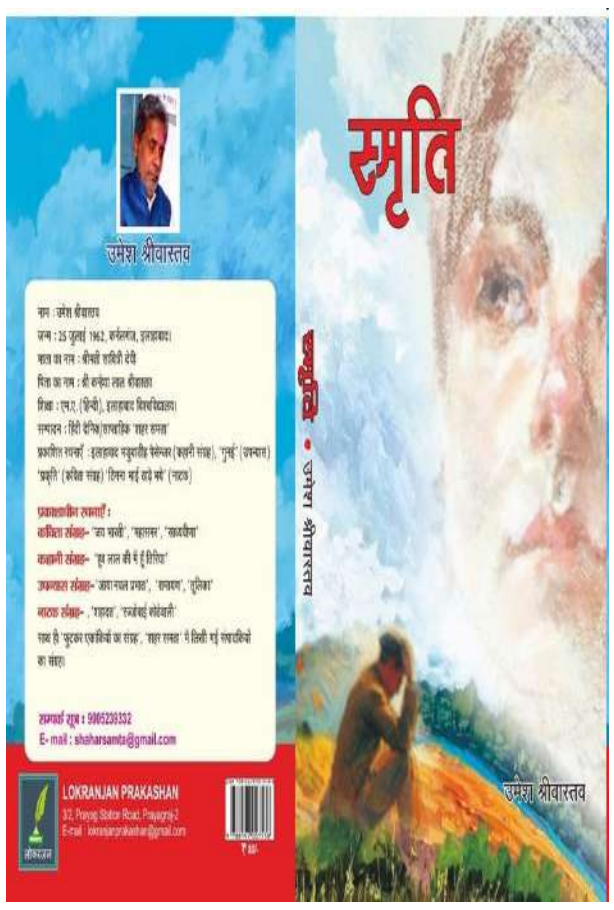

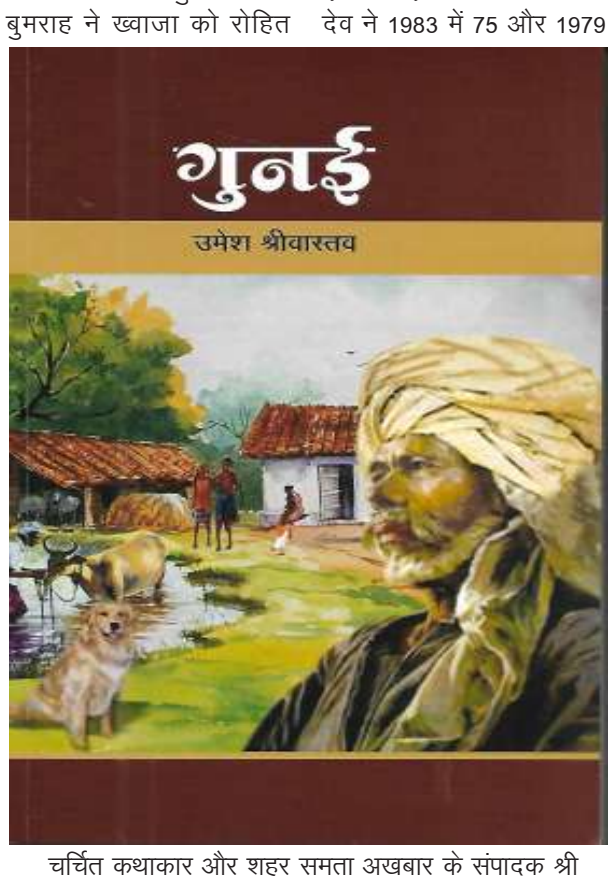

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

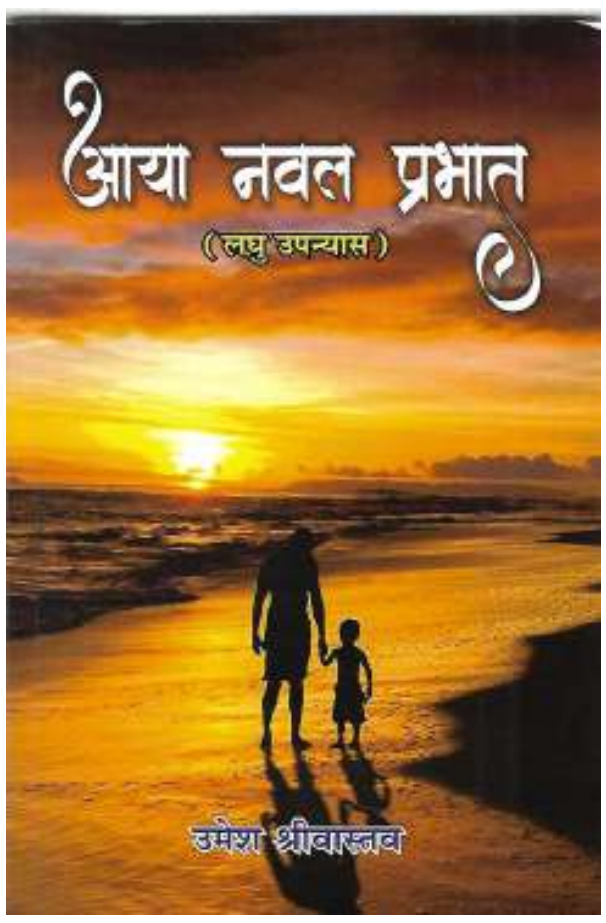

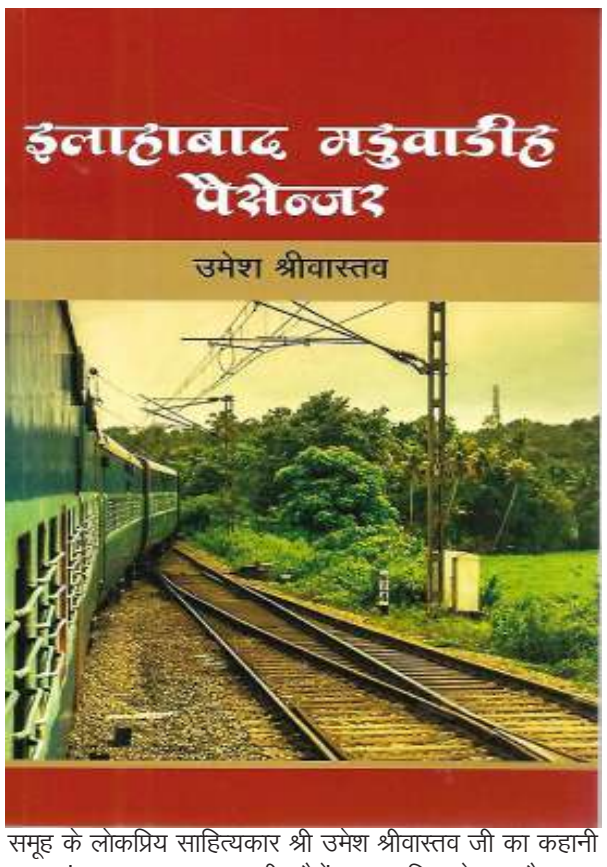

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

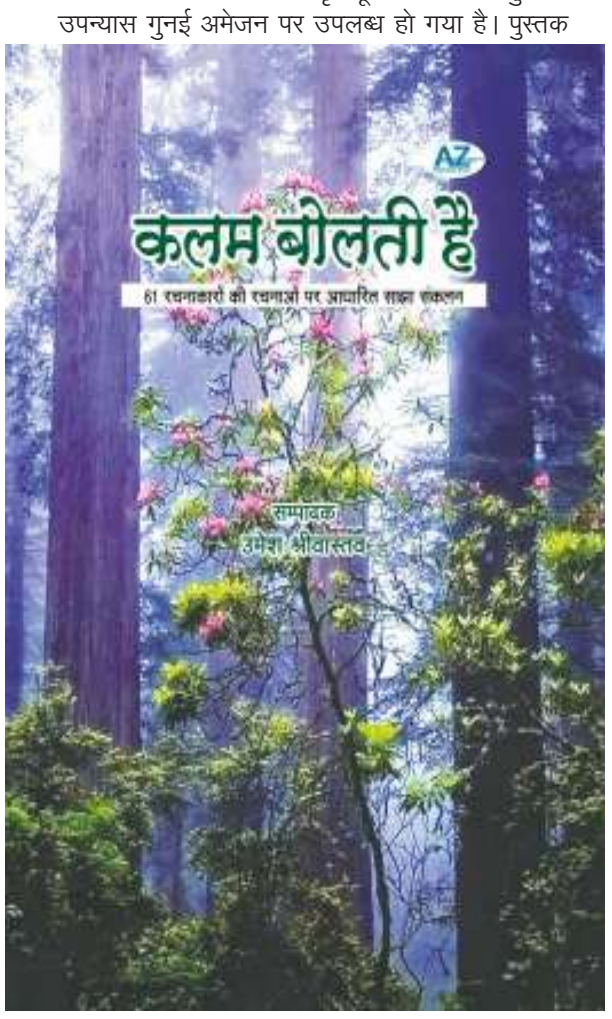

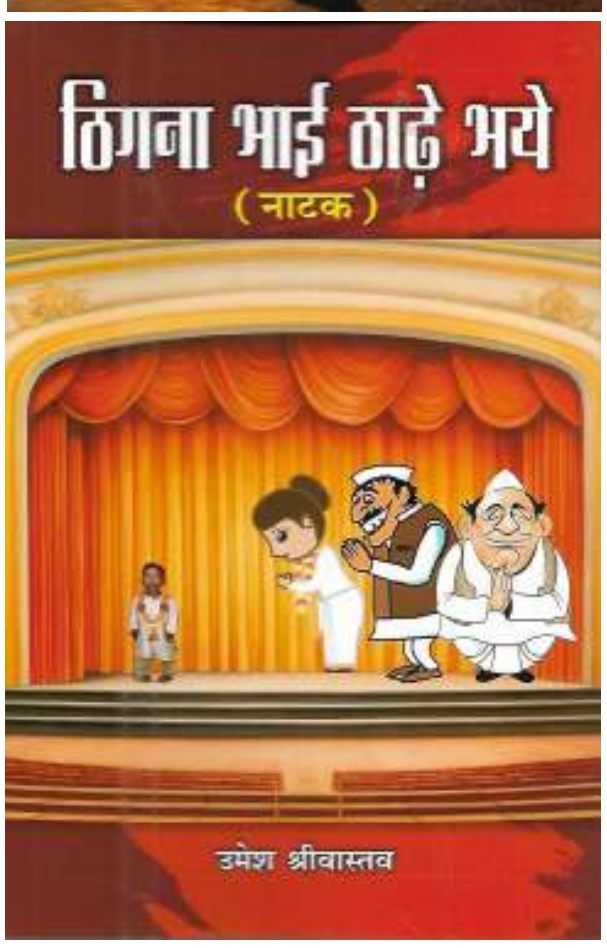

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बांग्लादेश अब अलग ही राह पर चल पड़ा, तुर्की के किलर ड्रोन को भारतीय सीमा के पास किया तैनात

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश द्वारा पश्चिम बंगाल के पास तुर्की निर्मित ड्रोन तैनात करने की खबरों के बीच भारत ने बांग्लादेश सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। यह घटनाक्रम शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि का संकेत देने वाली खुफिया सूचनाओं की पृष्ठभूमि में आया है।बांग्ल्दादेश की सेना ने पश्चिम बंगाल से लगती सीमा पर बायरकतार टीबी–2 ड्रोन तैनात किया है। यह पूरा इलाका भारत के चिकन नेक के करीब है और बेहद संवेदनशील माना जाता है। तुर्की का टीबी–2 ड्रोन काफी शक्तिशाली है जो हमला करने के अलावा

जासूसी करने में भी माहिर है। सूत्रों ने कहा कि सेना भारत के साथ सीमा के करीब बेकरटार टीबी2 मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) की तैनाती पर रिपोर्टों की पुष्टि कर रही है। ये ड्रोन बांग्लादेश की 67वीं सेना द्वारा खुफिया, निगरानी और टोही मिशनों के लिए संचालित किए जाते हैं। जबकि बांग्लादेश ने दावा किया कि तैनाती रक्षा उद्देश्यों के लिए है, एक संवेदनशील क्षेत्र में ऐसे उन्नत ड्रोन की तैनाती के रणनीतिक महत्व को भारत ने नजरअंदाज नहीं किया है। इंटेल इनपुट ने सुझाव दिया है कि हसीना के कार्यकाल के दौरान दबाए गए चरमपंथी तत्व भारतीय सीमा के करीब के क्षेत्रों में फिर से पैर जमा रहे हैं। इनपुट में बताया गया है कि आतंकी समूह और तस्करी नेटवर्क भारत में घुसपैठ करने के लिए बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता का फायदा उठा रहे हैं। हसीना के सत्ता से हटने के बाद सीमावर्ती इलाकों में भारत विरोधी तत्वों में वृद्धि देखी गई है। एक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी का कहना है कि राजनीतिक अस्थिरता और भारतीय सीमाओं के पास उन्नत यूएवी तैनाती के संयोजन के लिए कड़ी सतर्कता की आवश्यकता है।

बांग्लादेश में नोट से हटेगी मुजीबुर रहमान की तस्वीर, छपेगी नए डिजाइन वाली करेंसी

शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से हटाने के महीनों बाद देश की स्थापना के पीछे के प्रतिष्ठित व्यक्ति की छवि को मिटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बांग्लादेश ने अपने मुद्रा नोटों से शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर हटाई जाएगी। बांग्लादेश बैंक नए नोट छाप रहा है, जिसमें जुलाई के विद्रोह की विशेषताएं शामिल हैं, ढाका ट्रिब्यून ने गुरुवार को छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए बताया कि हसीना को 5 अगस्त को भारत भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, अंतरिम सरकार के निर्देश पर 20, 100, 500 और 1,000 टका के बैंक नोट छापे जा रहे हैं। अखबार ने बैंक के हवाले से बताया कि नए नोटों में श्बंगबंधुश् शेख मुजीबुर रहमान की छवि शामिल नहीं होगी। इसमें कहा गया है कि धार्मिक संरचनाएं, बंगाली परंपराएं और जुलाई विद्रोह के दौरान तैयार की गई ष्भित्तिचित्रष् को शामिल किया जाएगा। बांग्लादेश बैंक के कार्यकारी निदेशक हुस्नेरा शिखा ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि नया नोट अगले छह महीनों के भीतर बाजार में जारी किया जा सकता है। अखबार के मुताबिक, बैंक और वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि मौजूदा नोटों से नेता की छवि हटा दी जाएगी. उन्होंने कहा कि शुरुआत में चार नोटों का डिज़ाइन बदला जा रहा है, और अन्य को चरणों में फिर से डिज़ाइन किया जाएगा। वित्त मंत्रालय के वित्त संस्थान प्रभाग ने सितंबर में नए नोटों के लिए एक विस्तृत डिजाइन प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

पूरी नहीं हो पा रही चांद को पाने की चाहत, नासा के 'चंद्र मिशन' को लगा झटका

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने जानकारी दी है कि उसकी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरिक्ष मिशन में और देरी होगी। चंद्रमा के चारों ओर पहली अंतरिक्ष यात्री उड़ान में अब लोगों को और भी देरी होगी। अब लोगों को और इंजताज करना होगा। पहले योजना थी कि अंतरिक्ष यात्रियों को 2025 में चंद्रमा के चारों ओर भेजा जाएगा। लेकिन अब अप्रैल 2026 तक ये योजना टल गई है। इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा के चारों ओर यात्रा करेंगे। आगामी आर्टेमिस प्प मिशन, जिसका उद्देश्य चंद्रमा के चारों ओर उड़ान पर चार अंतरिक्ष यात्रियों को भेजना है। अब अप्रैल 2026 के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है, जबकि बाद के आर्टेमिस प्प्प चंद्र लैंडिंग मिशन को 2027 के मध्य में निर्धारित किया गया है, जो पहले की योजना से एक साल बाद है। नासा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, नेल्सन ने इन देरी के लिए ओरियन क्रू कैप्सूल की हीट शील्ड से जुड़े मुद्दों को जिम्मेदार ठहराया, जिसे 2022 में इसकी बिना क्रू परीक्षण उड़ान के दौरान क्षति हुई थी। पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश के दौरान हीट शील्ड में दरारें और क्षरण का अनुभव हुआ, जिससे भविष्य के चालक दल के मिशनों के लिए इसके प्रदर्शन के बारे में चिंताएं बढ़ गईं। इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए, नासा ने वर्तमान हीट शील्ड डिज़ाइन को बरकरार रखते हुए आर्टेमिस प्प के लिए कैप्सूल के रिटर्न प्रक्षेप पथ को संशोधित करने का निर्णय लिया है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य अधिक व्यापक विलंब से बचना है जो हीट शील्ड को फिर से डिज़ाइन करने के परिणामस्वरूप होता।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

मार्शल लॉ लगाने पर सैनिकों से भिड़ी महिला, बंदूक छीनी और बोली- शर्म नहीं आ रही

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में लगातार बवाल मचा हुआ है। यहां के हालात तब ज्यादा बदतर हो गए, जब तीन दिसंबर की रात राष्ट्रपति यून सुक–योल ने इमरजेंसी यानी मार्शल लॉ लगाने का एलान किया। उनकी घोषणा के बाद हेलमेट पहने सैनिक संसद भवन में घुस आए और छत पर सेना के हेलीकॉप्टर उतरते देखे गए। नेशनल असेंबली यानी वहां की संसद के बाहर हजारों प्रदर्शनकारी जमा हो गए। विरोध के चलते आखिरकार महज कुछ घंटों के भीतर ही राष्ट्रपति को मार्शल लॉ समाप्त करना पड़ा था। इस पूरे विवाद के बीच एक महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो गया। इसमें वह राइफल लिए सैनिकों से जूझती नजर आईं। महिला के साहस की हर कोई

तारीफ करता दिखा। हालांकि, दक्षिण कोरियाई पार्टी की प्रवक्ता ने जोर देकर कहा है कि वह कुछ खास बहादुर नहीं थीं।

190 सांसदों ने सैनिकों को ललकारा

राष्ट्रपति यून सुक योल को इस सप्ताह मार्शल लॉ की अपनी घोषणा को वापस लेने के लिए तब मजबूर होना पड़ा, जब 190 सांसदों ने हेलमेट और बॉडी आर्मर पहने सैनिकों की टुकड़ी को ललकारा। साथ ही सर्वसम्मति से इसे मार्शल लॉ को समाप्त करने के लिए मतदान किया।

महिला का वीडियो हुआ वायरल

वीडियो में 35 साल की पूर्व टीवी एंकर आह्न ग्वि–रयोंग (विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रवक्ता) एक सैनिक के साथ हाथापाई करते और उनकी बंदूक को कसकर पकड़ते हुए दिखाई दे रही हैं। गुरुवार शाम तक यूट्यूब पर इस वीडियो को 12 लाख से अधिक बार देखा जा चुका था।

मुझे बस सैनिकों को रोकना था: डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रवक्ता

वायरल हो रही वीडियो में आईं प्रतिक्रियाओं पर रयोंग ने कहा, 'मेरा सिर्फ एक ही विचार था कि मुझे उन्हें रोकना था। मैंने उन्हें दूर धकेला, उन्हें दूर भगाया और जो कुछ भी मैं कर सकती थी, वह किया। बहुत से लोग मार्शल लॉ के खिलाफ सैनिकों से लड़ रहे थे, इसलिए मैंने सोचा कि मुझे भी उन्हें रोकना होगा।' मंगलवार को जब सांसद एकत्र हुए तो उनके सहयोगियों ने फर्नीचर से गेट को बंद कर दिया। यहां तक कि सभी ने मिलकर एक मानव श्रृंखला बनाई और सैनिकों पर अग्निशामक यंत्र से हमला किया। राष्ट्रपति द्वारा मार्शल लॉ घोषित करने के ढाई घंटे बाद 190 सांसद संसद में पहुंचे और सर्वसम्मति से इसे रोकने के लिए मतदान किया।

सैनिकों पर चिल्लाती दिखी महिला

वीडियो क्लिप में महिला को सैनिकों पर चिल्लाते हुए देखा जा सकता है– 'जाने दो! क्या आपको शर्म नहीं आती?' बाद में पूर्व टीवी एंकर सैनिक की राइफल पकड़ती दिखीं। इस पर सैनिक पीछे हट गए। जब पूछा गया कि क्या आपको पता था कि यह इतना ध्यान लोगों का खींच लेगा, इस पर डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रवक्ता ने कहा, वहां मुझसे भी ज्यादा बहुत बहादूर लोग थे, जो मार्शल लॉ लगाने वाले सैनिकों के खिलाफ खड़े हुए थे। ऐसे लोग भी थे जो बख्तरबंद वाहनों को बाहर रोकने में भी कामयाब रहे। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि मेरे द्वारा उठाया कदम कुछ खास है।

लोगों के खिलाफ हथियार इस्तेमाल...

मार्शल लॉ सैनिकों के कमांडर ने गुरुवार को कहा कि उनका लोगों के खिलाफ हथियार इस्तेमाल करने का कोई इरादा नहीं था। देश के उप रक्षा मंत्री ने कहा कि सैनिकों को कोई जिंदा गोला–बारूद उपलब्ध नहीं कराया गया। दक्षिण कोरिया के विपक्षी सांसदों ने राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए इस सप्ताहांत मतदान करने की योजना बनाई है। महिला ने कहा, 'मुझे लगता है कि लोगों ने पहले ही दिमाग में राष्ट्रपति योल पर महाभियोग लगा लिया है। कौन मार्शल लॉ घोषित करने वाले राष्ट्रपति पर भरोसा कर सकता है?'

भारत के खिलाफ कोर्ट पहुंचा बांग्लादेश, बैन लगाने की दायर की याचिका !

ढाका, एजेंसी। 'जिस थाली में खाना उसी में छेद करना' आपने ये कहवात तो खूब सुनी होगी। बांग्लादेश ने भारत से बैर का नया राग इन दिनों छेर रखा है। कभी दक्षिण एशिया की राइजिंग इकोनॉमी कहलाने वाली बांग्लादेश आज अपने ही गलत फैसलों और कमजोर नेतृत्व के कारण आर्थिक संकट में फंसा हुआ है। हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि विदेशी मुद्रा भंडार खत्म होने की कगार पर है। सरकार के पास बिजली बिल भरने तक के पैसे नहीं और अब कर्ज लेना भी आसान नहीं रहा। लेकिन इन सब के बीच बांग्लादेश ने अपनी बर्बादी की कहानी को छुपाने के लिए भारत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। अब स्थिति ये है कि बांग्लादेश ने भारतीय टीवी चौनलों और यूट्यूब कंटेंट को बैन करने के लिए अपने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दी है। पिछले कुछ सालों में भारत ने बांग्लादेश को कई मेगा प्रोजेक्ट के जरिए आर्थिक

और रणनीतिक मदद दी थी। शेख हसीना सरकार के दौरान भारत और बांग्लादेश के संबंध मजबूत रहे। लेकिन मोहम्मद युनूस की सरकार आते ही स्थिति पूरी तरह से बदल गई। बांग्लादेश ने आरोप लगाया कि भारतीय टीवी चौनल और यूट्यूबर उनके देश की छवि खराब कर रहे हैं। इंडियन एक्सप्रसे की खबर के अनुसार, बांग्लादेश की हाई कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की गई है, जिसमें देश में सभी भारतीय टेलीविजन चौनलों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया गया है। याचिका दायर करने वाले वकील एखलास उद्दीन भुइयां ने सोमवार को इस घटनाक्रम की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति फातेमा नजीब और न्यायमूर्ति सिकदर महमूदुर रज़ी की उच्च न्यायालय की पीठ द्वारा किए जाने की उम्मीद है। याचिका में विशेष रूप से भारतीय टीवी चौनलों के प्रसारण पर रोक लगाने के लिए केबल टेलीविजन नेटवर्क ऑपरेशन अधिनियम 2006 की धारा 29 के तहत निर्देश देने की मांग की गई है। इसमें यह स्पष्टीकरण भी मांगा गया है कि बांग्लादेश में इन चौनलों पर प्रतिबंध लगाने के लिए नियम क्यों नहीं जारी किया जाना चाहिए।

अफगानिस्तान की महिलाओं के लिए उठी आवाज, मेडिकल प्रशिक्षण पर पाबंदी को वापस लेने की मांग

अफगानिस्तान, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने अफगानिस्तान के निजी चिकित्सा संस्थानों में महिलाओं द्वारा प्रशिक्षण हासिल करने पर थोपी गई पाबंदी पर गहरा दुख और नाराजगी जताई है। यूएन उच्चायुक्त वोल्कर टर्क ने इस प्रतिबंध को सत्तारूढ़ तालेबान प्रशासन द्वारा अफगान महिलाओं व लड़कियों के विरुद्ध एक और सीधा प्रहार करार देते हुए इसे वापिस लेने की मांग की है। यूएन कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने गुरुवार को उच्चायुक्त टर्क की ओर से जारी एक वक्तव्य में तालेबान प्रशासन के इस कदम को बेहद भेदभावपूर्ण बताया और सचेत किया कि इससे महिलाओं व लड़कियों के जीवन के लिए कई प्रकार के जोखिम उत्पन्न होंगे। यूएन मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, राजसत्ता द्वारा प्रायोजित भेदभावपूर्ण निर्णयों की एक लंबी फेहरिस्त में यह नई कड़ी है, जिनके जरिए अब तक शिक्षा, कामकाज समेत अन्य क्षेत्रों में महिलाओं व लड़कियों को निशाना बनाया गया है। मानवाधिकार उच्चायुक्त ने कहा है कि ऐसे कदमों को उठा करके, अफगानिस्तान के भविष्य को पूरी तरह से अपने कब्जे में लेने की कोशिश की जा रही है। तालिबान ने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता हथिया ली थी, जिसके बाद से महिला अधिकारों के लिए हालात तेजी से खराब हुए हैं। उनके बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता को नकारा जा रहा है, जिनमें शिक्षा, कार्य, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, आवाजाही, भय से आजादी और भेदभाव से मुक्ति के अधिकार हैं। लड़कियों को माध्यमिक स्तर की शिक्षा से दूर कर दिया गया है और महिलाओं के युनिवर्सिटी में पढ़ाई–लिखाई पर पहले ही पाबंदी लगा दी गई थी। महिलाओं व लड़कियों के मनोरंजन पार्क, सार्वजनिक स्नानघर, जिम, स्पोर्ट्स क्लब में जाने पर पाबन्दी है और देश में महिलाओं व लड़कियों के लिए पोशाक संहिता सख्ती से लागू की गई है। उन्हें बिना किसी पुरुष संगी के लम्बी यात्रा करने की अनुमति नहीं है। मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने अपने वक्तव्य में स्पष्ट किया कि इस तालेबानी फैसले से महिलाओं व लड़कियों के लिए, उच्चतर शिक्षा की ओर जाने वाला एकमात्र रास्ता भी बंद हो जाएगा। इससे देश में महिला दाइयों, नर्स व चिकित्सकों की उपलब्धता पर असर होगा, जोकि पहले से ही कम है। इस निर्णय से महिलाओं व लड़कियों के लिए पहले से ही जोखिम से जूझ रहे स्वास्थ्य देखभाल सुलभता के अवसर सीमित होंगे. चूँकि पुरुष मेडिकल कर्मचारियों को

पुरुष संगी की उपस्थिति के बिना, महिलाओं का उपचार करने पर मनाही है। मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, अफगानिस्तान में पहले से ही मातृत्व मृत्यु की ऊंची दर है और इसलिए यह जरूरी है कि स्वास्थ्य सैक्टर में उनकी उपस्थिति को बरक़रार रखा जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे कदमों को पुरुषों द्वारा बिना किसी पारदर्शिता के उठाया जाता है और इस प्रक्रिया में किसी अन्य की हिस्सेदारी नहीं होती है। इनके जरिए सीधे तौर पर महिलाओं व लड़कियों को सार्वजनिक जीवन से बाहर रखने की कोशिश की जाती है। यूएन कार्यालय ने ध्यान दिलाया है कि सत्तारूढ़ तालेबान का यह दायित्व है कि देश की पूर्ण आबादी के कल्याण, सुरक्षा व सलामती का ध्यान रखा जाए। यूएन हाई कमिश्नर वोल्कर टर्क ने तालिबान से आग्रह किया है कि इस हानिकारक निर्देश को वापिस लिए जाने की जरूरत है। अब समय आ गया है कि अफगानिस्तान अपने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों को निभाए और महिलाओं व लड़कियों के मानवाधिकारों को सुनिश्चित किया जाए।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कार्यकाल पूरा होने तक पद पर बने रहने का संकल्प जताया

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 2027 में अपने कार्यकाल के अंत तक पद पर बने रहने का संकल्प जताया और बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह कुछ दिन में एक नए प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा करेंगे। मैक्रों ने राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री माइकल बार्नियर की सरकार गिराने के लिए अपने दक्षिणपंथी विरोधियों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि वह कुछ ही दिन में नए प्रधानमंत्री का नाम घोषित करेंगे, लेकिन उन्होंने इस बात का कोई संकेत नहीं दिया कि नया प्रधानमंत्री कौन हो सकता है। फ्रांस के दक्षिणपंथी और वामपंथी सांसदों ने बुधवार को बजट विवाद के कारण ऐतिहासिक अविश्वास प्रस्ताव पर एक साथ मिलकर मतदान किया, जिसके कारणबार्नियर और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को इस्तीफा देना पड़ा।

एक और अहम शहर पर विद्रोहियों का कब्जा; राष्ट्रपति के पिता की मूर्ति तोड़ी

बेरूत, एजेंसी। पिछले साल सात अक्तूबर को हमास के हमले के बाद इस्राइल ने जो जंग शुरू की थी, वो अभी खत्म भी नहीं हुई है। सीरिया में एक और युद्ध शुरू हो गया है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से सीरिया में जो कुछ भी हो रहा है, वो इस बात के सबूत हैं कि मध्य–पूर्व में युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। सीरिया में बीते 27 नवंबर से सेना और विद्रोहियों के बीच चल रहे संघर्ष में सेना को एक और झटका लगा है। विद्रोहियों ने एक और शहर हमा पर भी कब्जा कर लिया है। सेना ने एलान करते हुए बताया कि विद्रोहियों ने शहर में डिफेंस लाइन को तोड़ दिया था, जिसके बाद उन्होंने पीछे हटने का फैसला किया है। हमा शहर, अलेप्पो के बाद सीरिया का सबसे अहम शहर है। सीरियाई सेना ने शहर को खाली करने का एलान कर दिया है।

सीरियाई राष्ट्रपति के पिता की मूर्ति तोड़ी

सीरिया के हमा शहर पर विद्रोहियों का कब्जा हो गया है। इस दौरान विद्रोहियों ने सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल–असद के पिता की मूर्ति भी तोड़ डाली। हमा से पहले सीरिया विद्रोहियों ने तीन बड़े शहरों पर कब्जा किया था। विद्रोही गुटों ने पिछले सप्ताह, उत्तरी सीरिया पर अपने हमले तेज करते हुए सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया था। अलेप्पो के बाद हमा सीरिया का अहम शहर था।

करीब एक सप्ताह से चल रहा विद्रोह

इस्लामी चरमपंथी विद्रोही समूह हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) के नेतृत्व में विद्रोहियों ने एक सप्ताह से भी कम समय पहले अपना आक्रमण शुरू किया था, ठीक उसी समय जब पड़ोसी लेबनान में इस्राइल और असद के सहयोगी हिजबुल्ला के बीच संघर्ष विराम समझौता हुआ था।

हयात तहरीर अल–शाम ने जीत का किया एलान

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एचटीएस के नेता अबू मोहम्मद अल–जवलानी ने हमा में जीत की घोषणा की है। हालांकि, इससे पहले विद्रोहियों और उनके सहयोगियों ने हमा की सेंट्रल जेल पर कब्जा कर लिया था। उसके बाद उन्होंने भीषण लड़ाई के बीच कैदियों को रिहा कर दिया था। बता दें कि, अलेप्पो से 110 किलोमीटर दक्षिण में स्थित हमा में दस लाख लोग रहते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।